सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

Title Code : DELHIN28985.
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

वर्ष 01, अंक 240, नई दिल्ली

शनिवार, 11 नवम्बर 2023, मूल्य ₹ 5, पेज 8

क्या राज्य सरकारों और राज्य सरकार के कार्यालयों में कार्यरत प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा भारत सरकार द्वारा जारी दिशा निर्देशों को सही दिशा में कार्यवंत नही करने से देश की प्रगति सम्भव है? बड़ा सवाल!

संजय बाटला

नई दिल्ली। देशवासियों को प्रदुषण मुक्त वायु, तेज गति और सुखद परिवहन सेवा और अन्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा जो भी प्रयत्न किए जा रहें हैं और उनको क्रियान्वित करने के लिए विधि विधान से गैजेट नोटिफिकेशन जारी किए जाते गए हैं पर दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि कार्य कर जनता को पर्याप्त इसका फायदे पहुंचाने की जगह पर विराजमान राज्य सरकारें और उन राज्यो में प्रशासनिक पदों पर कार्यरत अधिकारी अपनी सोच को महत्व देने के उद्देश्य से लागू नहीं करते और कुछ जनता को परेशान करने और बड़े उद्योगपतियों को पहुंचाने के लिए गलत ढंग से प्रयोग में लाकर उस का सही फायदा जनता को मिलने नही देते। ऐसे ही कार्यों में स्लगन है दिल्ली सरकार और परिवहन विभाग दिल्ली जिन्होंने भारत सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा जारी अधिकतर गैजेट नोटिफिकेशन को अपने कार्यकाल में लागू नहीं होने दियाऔर साथ ही माननीय उच्चतम न्यायालय, एनजीटी आदि सभी न्यायिक प्रणाली के दिशा निर्देशों/ आदेशों को दरकीनार कर अपनी इच्छा को कानून बना कर कार्य किए।

अब सवाल यह उठता है कि

क्या जनता के प्रति जारी जनहित के आदेशों को जनता के अहित में प्रयोग करना/ करवाने से देश के अंदर लाई जाने वाली प्रगति/ बदलाव का जनता को कोई भी फायदा पहुंचाने में कामयाब हो सकता हैं। क्या ऐसी सोच और कार्य करने वाले अधिकारियो पर प्रतिबंध लगाए बिना जनता को सुखद, सुरक्षित महसूस करवाया जा सकता हैं ?

advertisement Tariff
w.ef. 1st January 2023

परिवहन विशेष
दिल्ली, एनसीआर से प्रसारित लोकप्रिय साप्ताहिक हिन्दी समाचार पत्र

in Rs. / Sq. Cm.

	Basic	3rd Page	Back Page	Front Page Semi Solus	Fornt Page Solus
Delhi Aur Delhi	BW - Colour	Colour	Colour	Colour	Colour
Delhi	100*	200*	250*	300	300

Special Instructions:-
- Innovation on any page will be accepted at a premium of 100% on applicable card rate.
- Any specified position will be accepted at a premium of 25% on applicable card rate.
- 3/W advertisement on page 3/3ack will charged at colour rate.
- Classified display advertisement will be charged on basic display rate.
- Pointers 4x4 sq. C. or 5x4 sq. cm. will be charged as per card rate.
- box reply charges (each box) will be charged Rs. 150/-
- Political advertisement - as applicable.

परिवहन विशेष में विज्ञापन के लिए ऑनलाईन भुगतान सीधे बैंक खाते/फ़ोन पे पर कर सकते हैं और विज्ञापन के मैटर के साथ ऑनलाईन भुगतान की रसीद व्हाट्सऐप नंबर 09212122095 या newstransportvishesh@gmail.com पर भेज सकते है। भुगतान करने के लिए *NEFT / IMPS / RTGS*
Account Name:-Transport Vishesh Limited
IFSC CODE :- INDB0001396
Cur Account no :- 259212122095
या Phone pay :- 9212122095

दिल्ली में अभी नहीं लगेगा ऑड-ईवेन, बारिश से प्रदूषण में काफी सुधार; दीपावली के बाद स्थिति की होगी समीक्षा

गुरुवार को देर रात हुई बारिश के बाद दिल्ली में प्रदूषण के स्तर काफी गिरावट आई है। बारिश के चलते दिल्ली की हवा की गुणवत्ता में भी सुधार हुआ है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि शुक्रवार को कहा कि फिलहाल 13 से 20 नवंबर तक में ऑड ईवेन लागू नहीं किया जाएगा।

परिवहन विशेष न्यूज

नईदिल्ली। राजधानी में अभी ऑड ईवेन लागू नहीं होगा। गुरुवार को देर रात हुई बारिश के बाद दिल्ली में प्रदूषण के स्तर काफी गिरावट आई है। बारिश के चलते दिल्ली की हवा की गुणवत्ता में भी सुधार हुआ है। सुधार के बाद गंभीर श्रेणी से घटकर दिल्ली की हवा बहुत खराब में श्रेणी में पहुंच गई।

एक्यूआई में हुआ सुधार

गोपाल राय ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस करके कहा कि अल सुबह से हो रही वर्षा के कारण दिल्ली के पर्यावरण में खासा सुधार हुआ है। एक्यूआई भी काफी नीचे आ गया है। हवा की रफ्तार बढ़ने से अगले एक दो दिन में यह यह और गिर सकता है।

अभी नहीं लगेगा ऑड-ईवेन

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री ने आगे कहा कि इस स्थिति में फिलहाल 13 से 20 नवंबर की अवधि में आड इवेन लागू नहीं किया जाएगा, दीवाली के बाद जैसी स्थिति होगी, उस पर विचार करने के बाद ही आगे के लिए कोई निर्णय किया जाएगा।

इस बार 2022 से ज्यादा प्रदूषण

वर्ष 2022 की तुलना में इस बार नवंबर में वायु प्रदूषण कहीं ज्यादा है। गत पांच वर्ष के आंकड़े बताते हैं कि आमतौर पर अक्टूबर की शुरुआत से पीएम 2.5 का स्तर बढ़ना शुरू होता है, लेकिन इस साल स्थिति में कुछ परिवर्तन देखने में आया। सितंबर के मध्य से ही पीएम 2.5 के स्तर में वृद्धि शुरू हो गई थी।

पिछले साल के मुकाबले इस साल अक्टूबर के पहले हफ्ते में भी दिल्ली में एनओटू भी औसतन 60 प्रतिशत बढ़ गया। तमाम कार्य योजनाओं के कार्यान्वयन के बावजूद हाटस्पाट अभी भी सबसे अधिक प्रदूषित बने हुए हैं। 2018 में पहचाने गए लगभग 13 हाटस्पाट में से 10 अभी भी एक चुनौती हैं, जबकि नए हाटस्पाट भी उभर रहे हैं और तेजी से बढ़ रहे हैं।

एम्स में 15 मिनट से ज्यादा ऑटो-कैब रोकी तो होगी दिक्कत, हर घंटे के हिसाब से लगेगा इतना चार्ज

दिल्ली एम्स के परिसर में ऑटो व कैब जैसे व्यवसायिक वाहन अब 15 मिनट से अधिक देर तक नहीं रुक पाएंगे। 15 मिनट से ज्यादा टैक्सी को परिसर में रोका तो 50 रुपये प्रति घंटे के हिसाब से देना होगा। साथ ही यदि कोई ऑटो या कैब चालक एक घंटे के बीच दूसरी बार मरीज लेकर एम्स पहुंचता है तो उसे प्रवेश नहीं मिलेगा।

नई दिल्ली। एम्स के परिसर में ऑटो व कैब जैसे व्यवसायिक वाहन अब 15 मिनट से अधिक देर तक नहीं रुक पाएंगे। 15 मिनट से अधिक देर रुकने पर एम्स व्यवसायिक वाहन चालकों से प्रति घंटे 50 रुपये की दर से शुल्क वसूल करेगा। इसके अलावा व्यवसायिक वाहनों को एम्स में एक घंटे में एक बार से अधिक प्रवेश नहीं मिलेगा।

ऑटो व कैब के आवागमन को कम करने का मकसद

इसका मकसद एम्स में ऑटो व कैब का आवागमन कम करना है। ताकि संस्थान के परिसर में यातायात जाम की समस्या न होने पाए। एम्स के निदेशक डॉ. एम श्रीनिवास ने 31 दिसंबर तक इस आदेश पर अमल सुनिश्चित करने के लिए संस्थान के यातायात प्रबंधन कमेटी को निर्देश दिया है। एम्स की ओपीडी में प्रतिदिन करीब 13 हजार मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं।

एम्स में निःशुल्क चलती है शटल सेवा

मेट्रो स्टेशन और एम्स के नए ओपीडी ब्लाक के बीच करीब डेढ़ किलोमीटर दूरी है। इस वजह से बड़ी संख्या में मरीज मेट्रो स्टेशन से ओपीडी ब्लाक के बीच आवागमन के लिए ऑटो का इस्तेमाल करते हैं। ऑटो चालक मरीजों से मनमाना किराया वसूल करते हैं। एम्स में निःशुल्क शटल सेवा भी चलती है।

बहुत मरीज जानकारी के अभाव में शटल सेवा का इस्तेमाल न करके ऑटो का इस्तेमाल करते हैं। एम्स निदेशक द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि एम्स के प्रवेश व निकास गेट पर कैमरा आधारित टिकट सिस्टम की सुविधा होगी। निकास के दौरान वाहन का नंबर प्लेट देकर स्वतः टिकट जारी हो जाएगा।

एक घंटे के अंदर दोबारा नहीं मिलेगी एंट्री

यदि कोई ऑटो या कैब चालक एक घंटे के बीच दूसरी बार मरीज लेकर एम्स पहुंचता है तो उसे प्रवेश नहीं मिलेगा। मरीज को गेट के पास उतारना पड़ेगा। ऐसी स्थिति में मरीज एम्स के शटल सेवा से नए ओपीडी ब्लाक पहुंच सकते हैं। एम्स को उम्मीद है कि इस पहल से संस्थान के परिसर में आटो व कैब का प्रवेश कम होगा और संस्थान द्वारा संचालित शटल सेवा का इस्तेमाल बढ़ेगा।

DU के नॉर्थ कैंपस और कॉलेजों तक विश्वविद्यालय मेट्रो से चलेंगी इलेक्ट्रिक बसें! DTC ने शुरू की तैयारी

परिवहन विशेष न्यूज

अगले वर्ष विश्वविद्यालय मेट्रो स्टेशन से डीयू के उत्तरी परिसर (North Campus) और यहां के कालेजों तक इलेक्ट्रिक बसें चलाई जा सकती हैं। डीटीसी ने दिल्ली विश्वविद्यालय को इस संबंध में पत्र भेजा है। वर्तमान में विश्वविद्यालय मेट्रो पर उतरने पर छात्रों को ई-रिक्शा करने होते हैं। एक किलोमीटर दूरी के लिए 20 रुपये तक ले लेते हैं। समय की कमी के चलते छात्र ई-रिक्शा करने को मजबूर रहते हैं।

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए वर्षों से लंबित बसें चलाने की योजना को जल्द मूर्त रूप दिया जा सकता है। सबकुछ ठीक रहा तो अगले वर्ष विश्वविद्यालय मेट्रो स्टेशन से डीयू के उत्तरी परिसर और यहां के कालेजों तक इलेक्ट्रिक बसें चलाई जा सकती हैं।

इसके लिए दिल्ली ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (DTC) ने विश्वविद्यालय को पत्र भेजा है। उन्होंने बसों के संबंध में जानकारी मांगी है। वर्तमान में विश्वविद्यालय मेट्रो पर उतरने पर छात्रों को ई-रिक्शा करने होते हैं। एक किलोमीटर दूरी के लिए 20 रुपये तक ले लेते हैं। समय की कमी के चलते छात्र ई-रिक्शा करने को मजबूर

रहते हैं।

मेट्रो स्टेशन से कई कॉलेज हैं काफी दूर

कई कॉलेजों की दूरी मेट्रो स्टेशन से काफी अधिक है, ऐसे में छात्र पैदल नहीं पहुंच सकते। छात्राओं को ई-रिक्शा में सर्वाधिक परेशानी होती है। कई बार उनके साथ चेन स्नेचिंग की वारदात हो जाती हैं, तो कई बार वे छेड़खानी का शिकार हो जाती हैं। इस समस्या को लेकर पिछले दिनों दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) की ओर से डीयू के कुलसचिव को ज्ञापन सौंपा गया था।

डूसू के संयुक्त सचिव सचिन बैसला ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने अपने घोषणा पत्र में बसें चलाने की बात कही थी। इसको लेकर लगातार विश्वविद्यालय प्रशासन से मांग कर रहे हैं। डीटीसी को भी जल्द मांग पत्र सौंपा जाएगा। डीयू के एक पूर्व छात्र ने बताया कि 2012 तक विश्वविद्यालय के उत्तरी और दक्षिणी परिसर से बसें चलती थीं।

छात्रों को मिल सके कुछ रियायत

राजधानी के अलग-अलग स्थानों पर जाती थीं। डीयू से जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय और जामिया मिल्लिया इस्लामिया के बीच भी बसें चलती थीं, लेकिन बाद में इन्हें बंद कर दिया गया। मेट्रो का किराया लगातार बढ़ रहा है, ऐसे में छोटी दूरी के लिए बसें चलाना जरूरी है। छात्रों को कुछ रियायत मिल सके। एबीवीपी के एक पदाधिकारी ने कहा कि 2018 में दक्षिणी परिसर में सिटी बसें छात्र संघ चुनाव के वक्त चलाई गईं थीं।

छात्र युवा संघर्ष समिति तब चुनाव लड़ रही थी। लेकिन, इसका लाभ एक महीने तक ही दिया गया और बाद में यह बंद कर दी गईं। डीयू की प्राक्टर प्रो. रजनी अब्बी ने कहा, डीटीसी के अधिकारियों ने पत्र भेजा है। इलेक्ट्रिक बसें चलाने की बात कही है। उन्होंने छात्रों के संबंध में जो जानकारी मांगी है वह दी जा रही है। अगस्त में भी उन्होंने पत्र भेजा था, लेकिन उन्होंने आगे कोई कार्रवाई नहीं की।

बसें उपलब्ध उनको कराना है विश्वविद्यालय प्रशासन पूरा सहयोग करने को तैयार है। इस मामले में डीटीसी की प्रबंधक निदेशक शिल्पा शिंदे ने कहा कि अभी योजना शुरुआती दौर में है। लेकिन, इस पर काम किया जा रहा है। कितनी बसें चलाई जाएंगी, अभी यह तय नहीं हुआ है, लेकिन हम जल्द इस पर निर्णय लेंगे।

दिल्ली टैक्सी एंड टूरिस्ट ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन ने ग्रेप 3 और 4 ,स्टेज को बंद करने के लिए सौंपा ज्ञापन

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। दिल्ली टैक्सी एंड टूरिस्ट ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन ने एक पत्र दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल जी, CAQM के चेयरमैन श्री एम एम कुट्टी जी, पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव और दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय जी को ग्रेप 3 और 4,स्टेज को बंद करने के लिए कहा.

एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय सम्राट का कहना हैं की सरकार और CAQM ने हमारी विनती नहीं सुनी लेकिन दिवाली के मौके पर आज हमारी भगवान ने सुनी हैं और बारिश हो गई जिसकी वजह से दिल्ली एनसीआर में AQI 250 के आस पास ह तक आ गया कुछ एरिया में

संजय सम्राट ने मांग की हैं करी हैं की ग्रेप 3 और 4 स्टेज को तुरन्त आज बंद से किया जाए.

और तुरन्त इसके लिए आर्डर किये जाए.

जिस से BS 3/4 डीजल आल इंडिया टूरिस्ट परमिट की सभी टैक्सी(LMV 4 पहिये की गाडी)टेम्पो ट्रेवलर रोड पर बगैर किसी डर और टेंशन के चल सके को.

संजय सम्राट का कहना हैं की

दिल्ली सरकार एवं दिल्ली ट्रांसपोर्ट विभाग और CAQM वास्तव में प्रदूषण के नाम पर

टूरिस्ट टैक्सी (LMV 4 पहिये की गाडी)और टेम्पो ट्रेवलर के मालिकों को ही टारगेट कर रही है, और जान भुजकर हमारी डीजल BS 3/4 आल इंडिया टूरिस्ट परमिट की टैक्सी (LMV 4 पहिये की गाडी) टेम्पो ट्रेवलर को दिल्ली एनसीआर मे बंद करा जा रहा हैं और इन गाड़ियों का 20 हजार रुपए तक का जुर्माना भी किया जा रहा हैं.

क्योंकि दिल्ली सरकार के आदेश पर मौसम सही होने पर भी इनफ़ोर्समेंट विभाग और ट्रैफिक पुलिस हमारे लोगों के अलावा दिल्ली एनसीआर के लोगों का 20 हजार का जुर्माना कर रही हैं. इसलिए यें आर्डर तुरन्त निकालने चाहिए क्योंकि दुसरे राज्यों से आने वाली गाडी मालिकों में भय का माहौल हैं.

संजय सम्राट ने एक और मांग करी हैं CAQM के चेयरमैन और केंद्रीय और दिल्ली के पर्यावरण मंत्री और मुख्यमंत्री दिल्ली से की हमारी BS 3/4 डीजल आल इंडिया टूरिस्ट परमिट की सभी टैक्सी(LMV 4 पहिये की गाडी)टेम्पो ट्रेवलर को ग्रेड रिस्पांस एक्शन प्लान फॉर एनसीआर के ग्रेप स्टेज से परमानेंट बाहर रखा जाए .क्योंकि हमारी आल इंडिया टूरिस्ट परमिट की टैक्सी (LMV 4 पहिये की गाडी) और टेम्पो ट्रेवलर ज्यादातर दिल्ली से बाहर दुसरे राज्यों मे टूर पर चली जाती हैं.

वैसे भी डीजल BS 4 बसों को और टेम्पो ट्रेवलर (6 पहिये की गाडी) को कमिसन फॉर एयर क्वाल्टी मनेजमेंट ने ग्रेडड रिस्पांस एक्शन प्लान फॉर एनसीआर से ग्रेप सिस्टम से किसी भी स्टेज में नहीं रखा और उनको दिल्ली एनसीआर में सवारी या पर्यटको को छोड़ने और पिक उप करने की इज्जाजत दी हुई हैं उसी तरह हम डीजल की BS 3/4 टैक्सी और टेम्पो ट्रेवलर (LMV 4 पहिये की गाडी)को इज्जाजत दिलवाई जाये और ग्रेडड सिस्टम से बाहर करवाया जाए और इन गाड़ियों की जितनी लाइफ हैं उतनी उन्हें चलने की इज्जाजत दिलवाई जाए. क्योंकि यें भारत के करोडो लोगो की रोजी रोटी का सवाल है.

टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट

कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

छोटी दिवाली को क्यों कहा जाता है नरक चौदस, क्या है इसकी मान्यता

नरक चौदस या नरक चतुर्दशी का त्योहार हर साल कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि पर मनाया जाता है. इस साल यह 12 नवंबर, दिन रविवार को मनाया जाएगा. नरक चतुर्दशी को रूप चौदस, नरक चौदस या काली चौदस के नाम से भी जाना जाता है. इसी दिन छोटी दिवाली भी मनाई जाती है. तो आइए जानते हैं आखिर क्यों छोटी दिवाली को नरक चौदस के नाम से जाना जाता है.

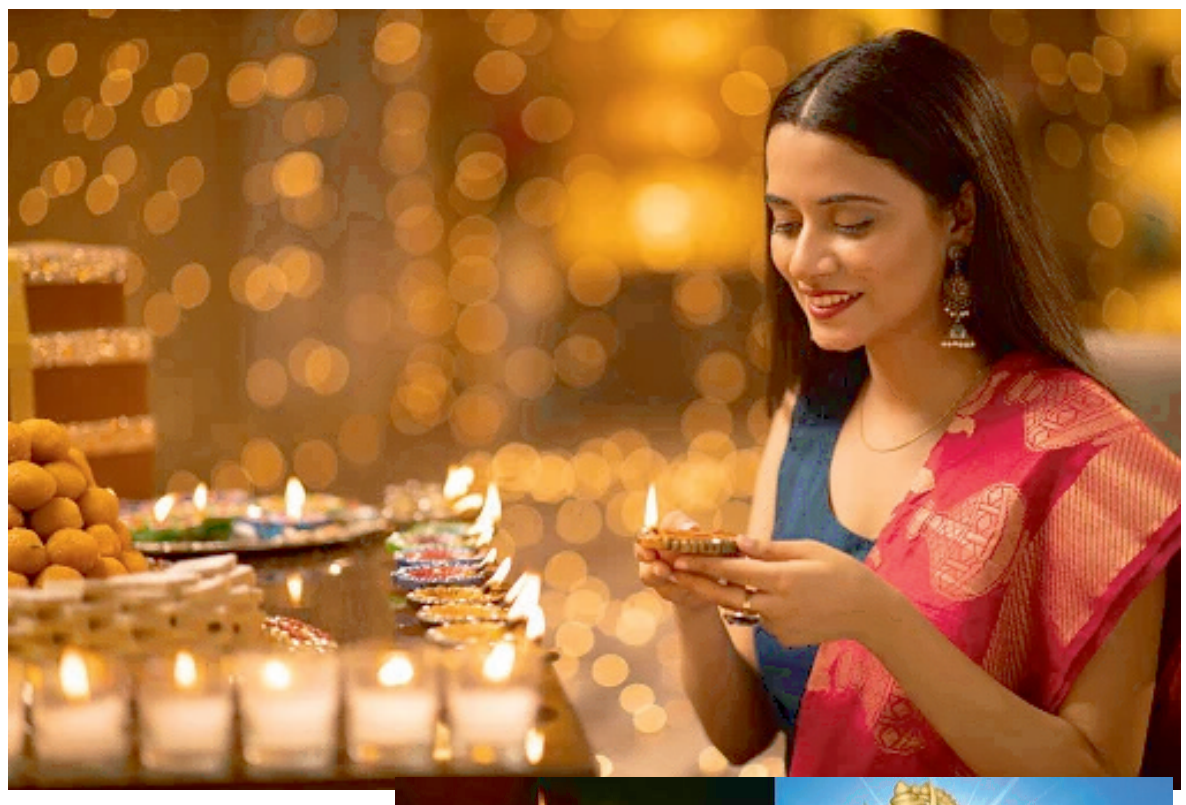

दीवाली से एक दिन पहले और धनतेरस एक दिन बाद नरक चौदस या नरक चतुर्दशी का त्योहार मनाया जाता है. इसी दिन छोटी दिवाली भी मनाई जाती है. यह हर साल कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि पर पड़ती है. नरक चतुर्दशी को रूप चौदस, नरक चौदस या काली चौदस के नाम से भी जाना जाता है. पंचांग के अनुसार, इस साल नरक चतुर्दशी, दिवाली के दिन ही यानी 12 नवंबर, दिन रविवार को पड़ी है.

हिंदू धर्म में नरक चतुर्दशी का बेहद खास महत्व है. मान्यता है कि नरक चतुर्दशी के दिन घरों में माता लक्ष्मी का आगमन होता है और दरिद्रता दूर होती है. नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव कम होता है और घरों में सकारात्मकता का संचार होता है. दरअसल, नरक चतुर्दशी मनाए जाने के पीछे एक पौराणिक कहानी है. तो आइए जानते हैं आखिर क्यों छोटी दिवाली को नरक चौदस के नाम से जाना जाता है.

छोटी दिवाली को क्यों कहते हैं नरक चौदस ?

नरक चतुर्दशी मनाने के पीछे कई पौराणिक कथाएं प्रचलित हैं. हिंदू मान्यता के अनुसार, इसी दिन भगवान विष्णु के अवतार श्रीकृष्ण ने राक्षस नरकासुर का वध किया था. वध करने बाद नरकासुर के बंदी गृह में कैद 16 हजार महिलाओं को भी भगवान कृष्ण ने आजाद कराया था. महिलाओं की मुक्ति के बाद से ही हर साल छोटी दिवाली के दिन नरक चतुर्थी मनाने की परंपरा शुरू हुई.

इस दिन क्यों जलाते हैं दीपक ?

छोटी दिवाली या नरक चौदस के दिन घरों में दीपक जलाने की परंपरा है. धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस दिन यमराज के नाम का दीया जलाया जाता है. कहते हैं कि इस दिन यम देव की पूजा करने से अकाल मृत्यु का डर खत्म होता है और सभी पापों से मुक्ति मिलती है. मान्यता है कि जीवन की परेशानियों से निजात पाने के लिए शाम के समय यम देव के नाम का दीपक जलाया जाता है. साथ ही, घर के दरवाजे के दोनों तरफ भी दीपक जलाकर रखे जाते हैं. कहते हैं, इस दिन घर में यमराज के लिए दीपक जलाने और उनकी पूजा करना शुभ फलदायी माना जाता है.

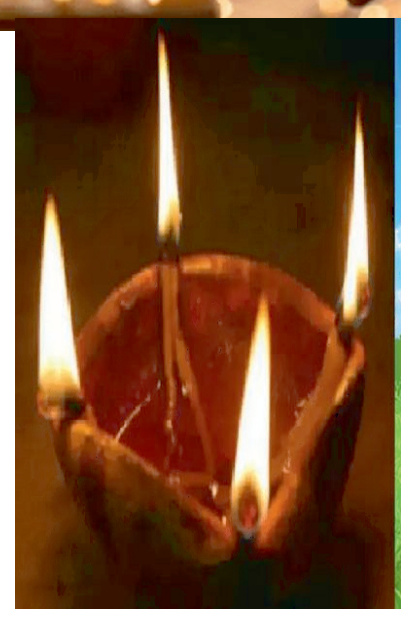

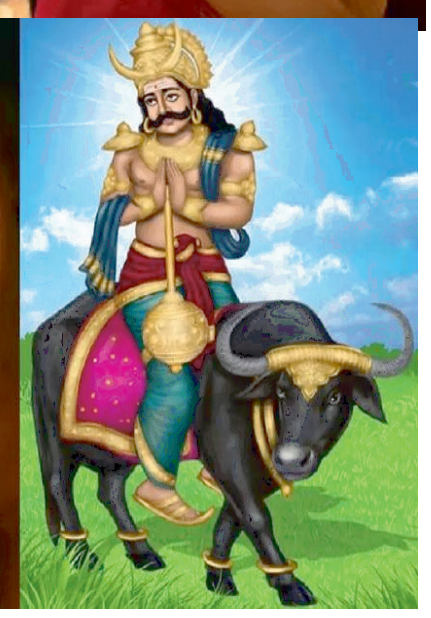

इस विधि से करें नरक चतुर्दशी पर भगवान कृष्ण की पूजा, जानें शुभ मुहूर्त-विधि और महत्व

सनातन धर्म में नरक चतुर्दशी का पर्व बेहद महत्वपूर्ण माना गया है। इस साल यह त्योहार कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि यानी 11 नवंबर 2023 को मनाया जाएगा। इस पर्व को लेकर कई कथाएं प्रचलित हैं। नरक चतुर्दशी बुराई पर अच्छाई की जीत के उपलक्ष्य में मनाई जाती है। भक्तों को इस शुभ दिन पर भगवान कृष्ण की पूजा- अर्चना करनी चाहिए।

नई दिल्ली। हिंदू धर्म में नरक चतुर्दशी का खास महत्व है। इस शुभ दिन को लोग छोटी दिवाली के रूप में भी जानते हैं। यह लक्ष्मी पूजा से एक दिन पहले का दिन है। इस दिन कई देवी-देवताओं की पूजा होती है। इसके साथ ही इस खास मौके पर लोग कई धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियां भी करते हैं। इस साल नरक चतुर्दशी कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि यानी 11 नवंबर 2023 को मनाई जाने वाली है।

नरक चतुर्दशी 2023: तिथि और समय

चतुर्दशी तिथि आरंभ - 11 नवंबर 2023 - 01:57 से

चतुर्दशी तिथि समापन- 12 नवंबर 2023 - 02:27 तक

नरक चतुर्दशी का महत्व

नरक चतुर्दशी का सनातन धर्म में काफी ज्यादा महत्व है। इस पर्व को लेकर कई कथाएं प्रचलित हैं। हिंदू धर्मग्रंथों के अनुसार, भगवान कृष्ण ने अपनी पत्नी सत्यभामा के साथ राक्षस नरकासुर का वध किया और 16000 गोपियों को बचाया। नरक चतुर्दशी बुराई पर अच्छाई की जीत के उपलक्ष्य में मनाई जाती है। भक्तों को इस शुभ दिन पर भगवान कृष्ण की पूजा- अर्चना करनी चाहिए। कुछ क्षेत्रों में इस दिन को काली चौदस के रूप में भी मनाया जाता है।

भगवान कृष्ण का मंत्र

हरे कृष्ण हरे कृष्ण, कृष्ण कृष्ण हरे हरे
हरे राम हरे राम, राम राम हरे हरे
कृष्णाय वासुदेवाय हरये परमात्मने। प्रणत क्लेशनाशाय गोविन्दाय नमो नमः
ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय नमः

नरक चतुर्दशी का पूजा-अनुष्ठान

इस शुभ दिन पर लोगों को अपने घर को रोशनी, फूलों और अन्य सजावटी सामग्री से सजाना चाहिए। साथ ही दीया जलाकर भगवान कृष्ण की पूजा करें और उन्हें खीर, हलवा और सूखे मेवे, मिठाइयों का भोग लगाएं। अंत में भगवान कृष्ण का आशीर्वाद लें और शाम के समय अपने घर में 11 मिट्टी के दीपक जलाएं।

इस तरह की पैरेंटिंग से आम पैरेंट्स भी बच्चे की नजरों में बन सकते हैं 'हीरो'

पैरेंटिंग के लिए माता-पिता को ज्यादा गुस्सा करने या चिल्लाने जैसी बुरी चीजों से दूर रहना चाहिए। इसका बुरा असर बच्चों पर भी पड़ता है और वो बड़े होकर वायलेंट बिहेवियर अपना सकते हैं। आप अपने बच्चे के लिए calm पैरेंट बनने पर ध्यान दें क्योंकि ये आप दोनों के रिलेशनशिप के लिए अच्छा है।

अगर आप किसी पैरेंट से पूछें कि इस दुनिया का सबसे मुश्किल काम क्या है, तो वो शायद यही कहेंगे कि उनके लिए तो बच्चों को पालना (parenting tips) या उनकी परवरिश करना ही किसी रॉकेट साइंस से कम नहीं है। अमूमन हर पैरेंट को ऐसा ही लगता है क्योंकि उन्हें रोज नई मुश्किलों का सामना करना पड़ता है।

कोई भी माता-पिता अपने बच्चे की जिंदगी के विलेन नहीं बनना चाहते हैं। वो बेवजह बच्चों पर चिल्लाते या गुस्सा नहीं करते हैं। कई बार पैरेंट ऐसी स्थिति में फंस जाते हैं, जहां उन्हें चिल्लाने या गुस्सा करने के अलावा और कोई रास्ता दिखाई नहीं देता है। लेकिन बच्चों के साथ इस तरह का व्यवहार नहीं चल पाता है। जब पैरेंट्स खुद ही इस तरह का व्यवहार करने लगेंगे, तो इससे बच्चे भी वायलेंट बन सकते हैं। बच्चों के साथ तो आपको नरमी से ही पेश आना होगा। पहले आप यह जानें कि आपको बच्चे की किस हरकत पर गुस्सा आता है और फिर उस पर काम करना शुरू करें। यहां हम आपको कुछ ऐसे टिप्स या तरीके बता रहे हैं, जिनकी मदद से आप एक शांत और धैर्यशील पैरेंट बन सकते हैं।

लगभग हर माता-पिता को तनाव होता है। कई बार उनका धैर्य भी छूट जाता है। ऐसे में कई बार पैरेंट्स भी इमोशनली कमजोर हो जाते हैं। जब आपको लगे कि आपकी भावनाएं आहत हुई हैं, तो थोड़ा रूक कर बच्चे से बात करें। पहले खुद को संभलने दें और फिर आगे बढ़ें।

सेंस ऑफ ह्यूमर

पैरेंट्स को अपना सेंस ऑफ ह्यूमर अच्छा रखना चाहिए। बच्चों को अपने दोस्तों को घर लाना अच्छा लगता है और गुड ह्यूमर वाले परिवारों में इन चीजों को बढ़ावा दिया जाता है। इससे जिंदगी से स्ट्रेस कम होता है, स्ट्रेस हार्मोंस कम होते हैं, एंडोर्फिन बढ़ता है और इम्यून सिस्टम भी मजबूत होता है।

थोड़ा लचीलापन लाएं

फ्लैक्सिबल पैरेंट्स आमतौर पर खुले विचारों वाले होते हैं। बच्चे के साथ अपने मतभेदों को लेकर ये पैरेंट्स हमेशा शांतिपूर्ण समाधान निकाल लेते हैं। कठोर माता-पिता अपने बच्चों की बात ना मानने को बढ़ावा देते हैं जिससे दोनों के बीच संघर्ष बना रहता है। अगर बच्चे के साथ किसी मुद्दे पर आपके विचार अलग हो रहे हैं, तो इसके लिए कोई शांतिपूर्ण तरीका खोजें।

बच्चों को आत्मनिर्भर बनाएं

हर बच्चा चाहता है कि वो आत्मनिर्भर बने जैसे कि खुद कार चलाए या अपने फैसले खुद ले। गुड पैरेंट्स बच्चों को आत्मनिर्भर बनाते हैं। आप भी अपने बच्चे में यह गुण डालने की कोशिश करें। इससे आप दोनों के बीच के मतभेद कम हो सकते हैं।

ज्यादा सीरियस ना हों

हर बच्चे को अपने आप सीखने दें और उसकी लाइफ को कंट्रोल करने की कोशिश ना करें। पैरेंट्स को अपने बच्चे की डेवलपमेंट और ग्रोथ को बहुत ज्यादा गंभीरता से नहीं लेना चाहिए। सभी बच्चे चिल्लाते हैं, गुस्सा करते हैं। बच्चे की जरूरतों को समझने की कोशिश करें और उसकी मदद करें।

स्कूल बस या कार में ट्रैवल करते ही बच्चों को होती है वोमिटिंग, 5 बातों का रखें ख्याल, हंसते-खेलते करेंगे सफर

अगर आपके बच्चे को भी कार या बस में ट्रैवल के दौरान वोमिटिंग आती है तो आप कुछ उपायों की मदद से उसे आराम पहुंचा सकते हैं और मोशन सिकनेस की समस्या को रोक सकते हैं.

अक्सर बच्चों में यह समस्या देखने को मिलती है कि चलती गाड़ी में ट्रैवल करने पर वे असहज महसूस करने लगते हैं और वोमिटिंग टेंडेंसी शुरू हो जाती है. ऐसे में वे या तो ट्रैवल नहीं करना चाहते या ट्रैवल को एन्जॉय नहीं कर पाते. लेकिन माता-पिता को समझ नहीं आता कि इस समस्या से बच्चों को किस तरह बचाया जाए. वह इस समस्या को दूर करने के लिए डॉक्टर के पास भी जाते हैं लेकिन इसका कोई मेडिकल इलाज नहीं होता. हम यहां बताते हैं कि मोशन सिकनेस क्यों होता है और बचाव के उपाय क्या हैं.

कार सिकनेस या मोशन सिकनेस क्या है

मायोक्लीनिक के मुताबिक, इसे मोशन सिकनेस या कार सिकनेस के नाम से भी जाना जाता है. मोशन सिकनेस की समस्या तब शुरू होती है जब दिमाग को आंतरिक कान, आंख, ज्वाइंट और मांसपेशियों की नसों से परस्पर गलत जानकारियां मिलती हैं. कल्पना कीजिए कि एक छोटा बच्चा कार की पिछली सीट पर खिड़की से बाहर देख रहा है जिसकी सीट काफी नीचे है या कोई बच्चा कार में किताब पढ़ रहा है. ऐसे में बच्चे के आंतरिक कान को गति का एहसास तो होगा, लेकिन उसकी आंखें और शरीर को नहीं. जिस वजह से पेट अपसेट होना, ठंडा पसीना आना, थकान, भूख न लगना या उल्टी होने जैसी समस्या महसूस होने लगती है. हालांकि यह कुछ बच्चों में ही क्यों होता है इसकी जानकारी स्पष्ट नहीं है. यह समस्या 2 से 12 वर्ष की आयु के बच्चों में अधिक देखने को मिलती है.

ये है कार सिकनेस को रोकने का तरीका

-बच्चों को कहें कि ट्रैवल के दौरान वे किताब या मोबाइल देखने की बजाय बाहर की तरफ देखें. ऐसा करने से समस्या कम होगी. बेहतर होगा कि वे ट्रैवल के दौरान सो जाएं.

-ट्रैवल से तुरंत पहले बच्चों को बहुत अधिक ना खिलाएं. अगर लंबा सफर है तो उन्हें कम मात्रा में हल्का फूड दें. मसलन, ड्राई क्रैकर्स या कुछ पीने की चीज.

-कार में पर्याप्त हवा की व्यवस्था पर ध्यान दें. बंद या सफोकेशन वाली जगह पर सिकनेस ट्रिगर का काम करता है.

-यात्रा के दौरान आप बच्चों के माइंड को डिस्ट्रैक्ट करने का प्रयास करें. मसलन, बात करें, गाना बजाएं या गाना गाएं. ऐसा करने से वे बेहतर महसूस करेंगे.

-अगर फिर भी बच्चे को ट्रैवल में परेशानी होती है तो आप बच्चे के डॉक्टर से संपर्क करें. आप उन्हें ओवर द काउंटर मेडिसीन के लिए पूछ सकते हैं.

-साथ में जिंजर कैंडी कैरी करें और जरूरत पड़ने पर उन्हें मुंह में रखने दें. गहरी सांस लेने कहें इससे तुरंत आराम मिलता है. मिंट और लिवेंटर की खुशबू भी उल्टी रोकने में मदद कर सकता है.

-अगर आपके बच्चे को मोशन सिकनेस महसूस हो रहा है तो तुरंत गाड़ी रोकें और बाहर वॉक करने के लिए कहें. उतरना संभव ना हो तो उसे तुरंत पीठ नीचे करते हुए लेटने के लिए बोलें. सिर पर गीला रुमाल या तौलिया रखें. इस तरह बच्चा बेहतर महसूस करेगा.

प्रदूषण बढ़ने पर आरोप-प्रत्यारोप तो घटने पर श्रेय लेने की होड़

केंद्र और दिल्ली सरकार के बीच सालों से चल रहा यह सिलसिला

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली-एनसीआर में जहरीली हवाओं से भगवान ही बचाएं क्योंकि सरकारों के वश में कुछ भी नहीं है। वायु प्रदूषण बढ़ने पर केंद्र और राज्य सरकारों के बीच आरोप- प्रत्यारोप और घटने पर श्रेय लेने की होड़ रहती है। यह सिलसिला सालों से चल रहा है। हर साल अक्टूबर से दिसंबर तक ही इससे निपटने की तेजी दिखती है। बाद में सभी आंखे मूंद लेते है।

नई दिल्ली। वायु प्रदूषण को लेकर पिछले कुछ सालों से दिल्ली-एनसीआर में जिस तरह की स्थिति देखने को मिल रही है, उसमें इस जानलेवा वायु प्रदूषण से सिर्फ भगवान ही बचा सकते है। केंद्र हो या फिर राज्य सरकार इनके वश में कुछ नहीं है।

हवाओं के साफ होने पर दोनों सरकारें लेती हैं क्रेडिट

यह जरूर है कि जब हवाएं साफ हो जाती है तो इसका श्रेय लेने के लिए दोनों ही दावेदारी ठोंकते दिखते है, लेकिन जैसे ही हवाओं की गुणवत्ता खराब होती है तो सभी अपना पल्ला झाड़ लेते है और एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाते है। इस साल भी केंद्र और राज्य सरकारों ने यही फार्मूला आजमाया। देखना होगा कि यह खेल कब तक चलता है और कब तक अपनी जिम्मेदारी से बचते है।

कागजों में ही हुई कोशिशें

यह बात अलग है कि दिल्ली-एनसीआर को जानलेवा हवाओं से बचाने की इस सालों में कोशिशें खूब हुई। भले ही यह कागजों में हुई। इस दौरान एक आयोग के गठन के साथ ही पराली प्रबंधन सहित वायु प्रदूषण पैदा करने वाले दूसरे सभी कारणों को खत्म करने लिए चार हजार करोड़ से अधिक पिछले चार सालों में खर्च किया जा चुका है।

इसके तहत पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश को पराली खेतों में ही नष्ट करने के लिए दो लाख से ज्यादा मशीनें किसानों को व्यक्तिगत तौर पर और करीब 40 हजार मशीनें किराए पर मुहैया करने वाले किसान सहायता केंद्रों के जरिए मुहैया कराई गई है। बावजूद इसके पराली की समस्या की जस की तस है। यह जरूर है कि सभी राज्यों में पिछले सालों के मुकाबले में पराली जलने की घटनाओं में कमी आयी है, लेकिन जितनी जल रही है, वही दिल्ली-एनसीआर की सांस फूलाने के लिए काफी है।

पिछले सालों के मुकाबले इस साल हवा के साफ होने का दावा

केंद्र हो या राज्य सरकारें सभी का दावा तो यह भी है कि पिछले सालों के मुकाबले हवा साफ हो रही है। वर्ष 2016 में अच्छे दिनों यानी 365 दिनों में साफ हवाओं वाले दिनों की संख्या 110 थी, जबकि वर्ष 2023 में अब तक अच्छे दिनों की संख्या 206 रिपोर्ट हो चुकी है। हालांकि, इसके पीछे सरकारों की मशक्कत कम है, बल्कि भगवान की मेहरबानी ज्यादा है, क्योंकि जब भी वायु प्रदूषण की स्थिति गंभीर बनी, तब बारिश हो गई।

कृत्रिम कोयला बनाने की योजना

इसके साथ ही, पराली संकट के समाधान के लिए केंद्र ने कृत्रिम कोयला बनाने की एक योजना भी बनाई थी, जिसमें थर्मल पावर प्लांटों को अपने ईंधन में इसका 10 से 15 फीसद तक अनिवार्य रूप से इस्तेमाल भी करना था। केंद्र सरकार की ओर से कृत्रिम कोयला बनाने के करीब पांच करोड़ की लागत से छह प्लांट बनाने की अब तक मंजूरी दी गई है। इनमें से एक यूपी में और पांच पंजाब में लगाए जाने है।

इसके साथ ही सड़कों की सफाई के दौरान उठने वाली धूल को थामने के लिए एंटी स्मोग गन, स्मॉग टावर सहित सफाई मशीनों के लिए भी करोड़ों रुपए खर्च किए गए है, लेकिन अब तक न तो पराली, न धूल, न ही वाहन और उद्योगो से उठने वाले प्रदूषण से कोई राहत मिली है।

पराली जलने से जहरीली हो रही हवा

मौजूदा समय में दिल्ली-एनसीआर में जानलेवा हवाओं में पराली जलने की मात्रा जहां 38 फीसद है, वहीं वाहनों से होने वाले वायु प्रदूषण की मात्रा करीब 20 फीसद, धूल से होने वाले प्रदूषण की हिस्सेदारी करीब पंद्रह फीसद है। इसके साथ ही उद्योगों और भवन निर्माण आदि उठने वाले प्रदूषण की हिस्सेदारी भी इनमें शामिल है। सवाल यह है कि जब वायु प्रदूषण से निपटने के लिए इतने सारे कदम उठाए जा चुके है तो फिर हवाएं क्यों हो रही जहरीली।

कुछ इस तरह है अच्छे दिनों का दावा (एक जनवरी से छह नवंबर के बीच)

वर्ष	अच्छे दिन
2016	110
2017	151
2018	156
2019	175
2020	224
2021	197
2022	160
2023	206

वायु प्रदूषण से निपटने के लिए हो चुकी है 100 से ज्यादा बैठकें

वायु प्रदूषण पर भले ही सरकार और इससे निपटने के लिए गठित आयोग का कोई नियंत्रण नहीं है, लेकिन इससे निपटने के लिए बैठकों को पूरे साल भर सिलसिला चलता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस साल के भीतर ही वायु प्रदूषण से निपटने के लिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग की अगुवाई में केंद्र व राज्यों के साथ 100 से अधिक बैठकें की गई थी। इनमें 93 बैठकें सिर्फ समीक्षा बैठकें थी, जबकि दो आयोग की फुल बेंच मीटिंग थी। वहीं, आयोग की उप-समितियों ने भी छह बैठकें की है।

जेल में मनेगी मनीष सिसोदिया-संजय सिंह की दीपावली, शराब घोटाले के मामले में तिहाड़ में हैं बंद

दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह की दीपावली इस बार जेल में ही मनेगी। कोर्ट ने शुक्रवार को संजय सिंह की न्यायिक हिरासत 24 नवंबर तक बढ़ा दी। वहीं सिसोदिया की न्यायिक हिरासत पहले ही 22 नवंबर तक बढ़ी हुई है। शनिवार को मनीष सिसोदिया को पत्नी से मिलने के लिए छह घंटे का समय दिया गया था।

नई दिल्ली। आबकारी घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपित दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह की दीवाली इस बार जेल में ही मनेगी। विशेष अदालत ने शुक्रवार को संजय सिंह की न्यायिक हिरासत 24 नवंबर तक बढ़ा दी।

पत्नी से मिलने के लिए सिसोदिया को मिला समय

वहीं, सिसोदिया की न्यायिक हिरासत पहले ही 22 नवंबर तक बढ़ी हुई है। उन्होंने अस्वस्थ चल रही पत्नी से मिलने के लिए पांच दिन की अनुमति मांगी थी, लेकिन कोर्ट ने शनिवार को इसके लिए छह घंटे का समय दिया। विशेष न्यायाधीश एमके नागपाल ने कहा कि सिसोदिया को पुलिस हिरासत में सुबह 10 बजे से शाम चार बजे के बीच अपने घर पर बीमार पत्नी से मिलने की अनुमति होगी।

मनीष सिसोदिया के आवेदन का एजेंसियों ने किया विरोध

आबकारी घोटाले की जांच कर रहीं केंद्रीय जांच एजेंसियां सीबीआई और ईडी ने मनीष सिसोदिया के आवेदन का विरोध किया। जांच एजेंसियों ने सवाल किया कि सिसोदिया किन कानूनी प्रविधानों के तहत अनुमति मांग रहे हैं। उनकी तरफ से अंतरिम जमानत याचिका दाखिल की जानी चाहिए थी। आप सांसद संजय सिंह पंजाब के पूर्व मंत्री विक्रमजीत सिंह मजीठिया के ओर से दायर मानहानि मामले का भी सामना कर रहे हैं।

राउज एवेन्यू कोर्ट ने उनको 18 नवंबर को मानहानि मामले में अमृतसर में मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (सीजेएम) के समक्ष पेश करने की अनुमति दी। अदालत ने जेल अधिकारियों को निर्देश दिया कि संजय सिंह की स्वास्थ्य समस्या और बदले हुए मौसम को देखते हुए उन्हें राजधानी ट्रेन से पंजाब ले जाया जाए और उसी दिन वापस लाया जाए। उचित सुरक्षा व्यवस्था भी की जाए।

संजय सिंह की पेशी के लिए प्रोडक्शन वारंट जारी

अमृतसर कोर्ट ने मानहानि मामले में संजय सिंह की पेशी के लिए प्रोडक्शन वारंट जारी किया था। कोर्ट ने संजय सिंह को विकास कार्यों से संबंधित कुछ दस्तावेज पर हस्ताक्षर करने की भी अनुमति दी। बता दें कि ईडी ने संजय सिंह को चार अक्टूबर को गिरफ्तार किया था। आरोप है कि उन्होंने आबकारी नीति के निर्माण और कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे कुछ शराब निर्माताओं, थोक विक्रेताओं और खुदरा विक्रेताओं को फायदा हुआ है।

वीके सक्सेना ने 166 मीटर ऊंचे प्रकाश स्तंभ का किया उदघाटन, बढ़ते प्रदूषण के चलते 2015 से था बंद

एलजी वीके सक्सेना ने 166 मीटर ऊंचे प्रकाश स्तंभ का शुक्रवार को उदघाटन किया। इसे लगभग 28 एकड़ क्षेत्र में फैले कोयला आधारित इस बिजली संयंत्र को वर्ष 1989 में स्थापित किया गया था लेकिन राजधानी में बढ़ते प्रदूषण के चलते वर्ष 2015 में बंद कर दिया गया था। इसी साल फरवरी में एलजी ने इसका दौरा भी किया था।

नई दिल्ली। एलजी वीके सक्सेना ने शुक्रवार को 166 मीटर ऊंचे प्रकाश स्तंभ का उद्घाटन किया। राजघाट बिजली संयंत्र स्थित यह प्रकाश स्तंभ राजधानी में सबसे ऊंचा प्रकाश स्तंभ है। इस अवसर पर दिल्ली के मुख्य सचिव नरेश कुमार और डीडीए के उपाध्यक्ष सुभाशीष पांडा भी मौजूद रहे।

मालूम हो कि लगभग 28 एकड़ क्षेत्र में फैले कोयला आधारित इस बिजली संयंत्र को वर्ष 1989 में स्थापित किया गया था, लेकिन राजधानी में बढ़ते प्रदूषण के चलते वर्ष 2015 में बंद कर दिया गया था। बीते आठ सालों से निष्क्रिय पड़ी इसकी चिमनी को पहले गिराने की योजना बनाई गई थी, लेकिन इसमें भारी लागत आती। इसके साथ ही धूल के कारण प्रदूषण भी होता।

एलजी ने इसे स्थायी संपत्ति में बदलने के लिया निश्चय

इसी साल फरवरी में इस संयंत्र का दौरा करने पहुंचे एलजी वीके सक्सेना ने इसे दिल्ली के लोगों के लिए स्थायी संपत्ति में बदलने का निश्चय लिया। इसी क्रम में प्रकाश स्तंभ को तैयार किया गया है।

एक अनुमान के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी के बाजारों का कारोबार 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक का रहा है।

धनतेरस पर दिल्ली के बाजारों पर 15 हजार करोड़ की धनवर्षा, ज्वेलरी-गाड़ियों की हुई खूब बिक्री

धनतेरस पर दिल्ली के बाजारों पर जबरदस्त धन वर्षा हुई। अनुमान के अनुसार दिल्ली में बाजारों का कारोबार 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक का रहा है। इसमें अकेले सात हजार करोड़ रुपये की धन वर्षा ज्वेलरी की दुकानों पर हुई है। इसी तरह कारों व दो पहिया वाहनों बर्तनों व पूजा सामग्री की खूब बिक्री हुई। स्मार्ट फोन के साथ ही अन्य इलेक्ट्रानिक्स उपकरण बिके।

नई दिल्ली। धनतेरस पर दिल्ली के बाजारों पर जबरदस्त धन वर्षा हुई। बारिश ने भी माहौल अच्छा किया। प्रदूषण कम होने पर लोग बाजारों की ओर निकले। वैसे, सदर बाजार व भागीरथ पैलेस जैसे कुछ बाजारों में जरूर उन्हें कीचड़ के बीच गुजरना पड़ा।

20 हजार करोड़ का रहा कारोबार

एक अनुमान के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी के बाजारों का कारोबार 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक का रहा है। इसमें अकेले सात हजार करोड़ रुपये की धन वर्षा ज्वेलरी की दुकानों पर हुई है। इसी तरह कारों व दो पहिया वाहनों, बर्तनों व पूजा सामग्री की खूब बिक्री हुई। स्मार्ट फोन के साथ ही अन्य इलेक्ट्रानिक्स उपकरण बिके।

धनतेरस का त्यौहार व्यापारियों के लिए उत्पादों की बिक्री का बड़ा दिन होता है। इसके लिए व्यापारियों ने काफी पहले से तैयारी कर रखी थी। ज्वेलर्स ने सोने, चांदी व हीरे के नए डिजाइन के गहने एवं आभूषण सहित, गणेश, लक्ष्मी की मूर्ति, मंदिर, चांदी के ग्लास, थाली, समेत बुलियन में सिक्के व नोट समेत सोना-चांदी का बिस्कुट रखा हुआ था।

दिल्ली में 15 हजार करोड़ के सामान की बिक्री

डिप्टीगंज स्थित बर्तन बाजार में भी सोने की परत व एंटीक डिजाइन आधारित बर्तनों की बिक्री हुई। व्यापारी संगठन चैंबर आफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआइ) के चेयरमैन बृजेश गोयल के मुताबिक शुक्रवार को दिल्ली में लगभग 15 हजार करोड़ रुपये के सामानों की बिक्री का अनुमान लगाया जा रहा है। यह बढ़ भी सकता है।

धनतेरस के दिन सिद्धि विनायक श्री गणेश, धन की देवी महालक्ष्मी तथा कुबेर की पूजा की जाती है। इस दिन नई वस्तुओं को खरीदना शुरू माना जाता है। दरीबा व्यापार मंडल के महासचिव मनीष वर्मा के अनुसार इस बार ज्वेलरी के साथ बुलियन की अच्छी बिक्री हुई है। सोने के दाम अधिक होने के चलते लोगों ने हल्के गहनों की तरजीह दी है।

अच्छी बात रही कि वर्षा ने प्रदूषण को राहत दी, जिससे व्यापार अच्छा हुआ। कूचा महाजनी, दरीबा कलां व करोलबाग जैसे थोक गहनों के बाजारों के साथ ही स्थानीय बाजारों में स्थित गहनों की दुकानों पर देर शाम तक खरीदार उमड़े रहे। इसी तरह सभी प्रकार के बर्तन, रसोई का सामान, वाहन, इलेक्ट्रानिक्स, बिजली का सामान व उपकरण, व्यापार करने के उपकरण जैसे कंप्यूटर व कंप्यूटर से जुड़े उपकरण, स्मार्ट फोन, बही खाते, फर्नीचर व एकाउंटिंग के सामान खरीदे गए।

गणेश, लक्ष्मी की मूर्ति, खील बताशे, झाड़ू व पूजा के सामानों के साथ मिठाई की खरीदारी की गई है। चांदनी चौक, सदर बाजार, भागीरथ पैलेस, दरियागंज, चावड़ी बाजार, करोलबाग, राजेंद्र पैलेस, कनाट प्लेस, खारी बावली, पहाड़गंज व खान मार्केट जैसे बाजार खरीदारों से गुलजार रहे। वहीं, तमाम आटो कंपनियों ने शो रूम में दो पहिया व चार पहिया वाहन सजा रखे थे, जहां लोग पहले से बुकिंग के आधार पर वाहनों की खरीदारी की।

यहीं हाल, स्मार्ट फोन, उपहार व सजावटी के सामान, सूखे मेवे, परिधान समेत अन्य की दुकानों पर देखने को मिली। इसी तरह, बिजली की लड़ियां, दीपक व घरों को सजाने की वस्तुओं की खरीदारी के लिए भी लोग बाजारों में उमड़े दिखाई पड़े। रोशनी के पर्व को लेकर परिधानों की मांग देखी गई।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु बनीं दिल्ली की मतदाता, जानिए अभी तक कहां की थीं वोटर

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु अब दिल्ली की मतदाता बन गई हैं। चुनाव आयोग जल्द उन्हें नया मतदाता पहचान पत्र जारी कर देगा। अब वह आगामी चुनावों में दिल्ली में मतदान कर सकेंगी। बता दें कि इससे पहले उनके पास ओडिशा के मयूरभंज का मतदाता पहचान पत्र था। सीईओ पी कृष्णमूर्ति ने उन्हें मतदाता सूची में संशोधन के लिए चल रहे अभियान की जानकारी दी।

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु अब दिल्ली की मतदाता बन गई हैं। चुनाव आयोग जल्द उन्हें नया मतदाता पहचान पत्र जारी कर देगा। पहले उनके पास ओडिशा के मयूरभंज का मतदाता पहचानपत्र था। दिल्ली में इन दिनों मतदाता सूची में सुधार के लिए विशेष सारांश संशोधन अभियान चल रहा है।

पता बदलवाने के लिए भरवाया फॉर्म

इस अभियान के तहत दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) पी कृष्णमूर्ति ने गुरुवार शाम चार बजे राष्ट्रपति भवन पहुंचे और राष्ट्रपति के मतदाता पहचानपत्र में पता का परिवर्तन करने के लिए फार्म-आठ भरवाया। इसलिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु अब दिल्ली की मतदाता हो गई हैं।

मयूरभंज की मतदाता थी द्रौपदी मुर्मु

जल्द ही उन्हें नया मतदाता पहचान पत्र जारी होगा, जिस पर दिल्ली का पता लिखा होगा। लिहाजा, आगामी चुनावों में वह दिल्ली में मतदान कर सकेंगी। सीईओ कार्यालय के अनुसार, पहले उनके पास ओडिशा के मयूरभंज का मतदाता पहचान पत्र था।

सीईओ पी कृष्णमूर्ति ने उन्हें मतदाता सूची में संशोधन के लिए चल रहे अभियान की जानकारी दी। साथ ही मतदाता सूची में संशोधन की प्रक्रिया में सहयोग के लिए राष्ट्रपति का आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने किया वाटिका अंडरपास का उद्घाटन

गुरुग्राम-बादशाहपुर के लोगों को जाम से मिलेगी मुक्ति

परिवहन विशेष न्यूज

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने शुक्रवार को वाटिका चौक अंडरपास का उद्घाटन कर दिया है। 0.822 मीटर लंबे इस अंडरपास को जीएमडीए द्वारा एनएचएआई के माध्यम से 109.14 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया है। यह अंडरपास एसपीआर को गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन रोड से जोड़ेगा। इस अंडरपास के शुरू होने से गुरुग्राम-बादशाहपुर रोड पर वाहनों का दबाव कम हो जाएगा।

गुरुग्राम। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने शुक्रवार को वाटिका चौक अंडरपास का उद्घाटन कर दिया है। 0.822 मीटर लंबे इस अंडरपास को जीएमडीए द्वारा एनएचएआई के माध्यम से 109.14 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया है। यह अंडरपास एसपीआर को गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन रोड से जोड़ेगा।

वहीं, इस अंडरपास के शुरू होने से गुरुग्राम-बादशाहपुर रोड पर वाहनों का दबाव कम हो जाएगा। अंडरपास के उद्घाटन के दौरान मुख्यमंत्री के साथ केंद्रीय राज्यमंत्री राव इंद्रजीत सिंह भी मौजूद थे।

उनके अलावा पटौदी के विधायक सत्यप्रकाश जरावता, सोहना के विधायक संजय सिंह, मुख्यमंत्री के प्रिंसिपल एडवाइजर अर्बन डेवलपमेंट डीएस ढेसी, पूर्व मंत्री राव नरबीर सिंह, पूर्व विधायक तेजपाल तंवर जीएमडीए के सीईओ पीसी मीणा, डीसी निशांत कुमार यादव सहित अनेक अधिकारी व बीजेपी की जिला अध्यक्ष गार्गी कक्कड़ व अनेक विशिष्टजन भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

जनता के चालू हुआ वाटिका चौक अंडरपास, दिल्ली-फरीदाबाद के लोगों को भी होगा फायदा

परिवहन विशेष न्यूज

गुरुग्राम का वाटिका चौक अंडरपास आज से शुरू हो जाएगा। मनोहर लाल खट्टर सुबह साढ़े नौ बजे इसे जनता को समर्पित करेंगे। इसके चालू होने से न सिर्फ गुरुग्राम के बल्कि दिल्ली और फरीदाबाद के लोगों को भी सहूलियतें होंगी। गुरुग्राम के उपायुक्त निशांत कुमार यादव ने कहा कि धनतेरस के मौके पर शहर को मुख्यमंत्री अंडरपास के रूप में बहुत बड़ा उपहार देंगे।

गुरुग्राम। जिले का वाटिका चौक अंडरपास आज से चालू हो जाएगा। मुख्यमंत्री मनोहर लाल सुबह साढ़े नौ बजे इसे जनता को समर्पित करेंगे। इसके चालू होने से न केवल गुरुग्राम के लाखों लोगों को लाभ होगा, बल्कि दिल्ली एवं फरीदाबाद के लोगों को काफी सुविधा होगी।

अंडरपास एसपीआर यानी सदर्न पेरिफेरल रोड पर बनाया गया है। एसपीआर एक तरफ गांव घाटा के नजदीक गुरुग्राम-फरीदाबाद रोड से जबकि दूसरी तरफ खेड़कीदौला टोल प्लाजा के नजदीक दिल्ली-जयपुर हाईवे से जुड़ा है। टोल प्लाजा के नजदीक ही एसपीआर, दिल्ली-जयपुर हाईवे एवं द्वारका एक्सप्रेस-वे को आपस में जोड़ने के लिए फुल क्लोवरलीफ फ्लाईओवर बनाया गया है। इस तरह कई इलाके के लोगों को वाटिका चौक अंडरपास बनने से सीधे तौर पर लाभ होगा।

सबसे व्यस्ततम चौराहा है वाटिका चौक अंडरपास

शहर के व्यस्ततम चौराहों में वाटिका चौक अंडरपास शामिल है। ट्रैफिक का दबाव इतना अधिक है कि हर समय जाम की स्थिति बनी रहती है। इसे ध्यान में रखकर दैनिक जागरण ने दो साल पहले अंडरपास बनाने का मुद्दा प्रमुखता से उठाया था। आगे गुरुग्राम होम डेवलपर्स एसोसिएशन ने भी इस दिशा में प्रयास तेज किया।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के तत्कालीन परियोजना निदेशक पीके कौशिक ने वाटिका चौक को ट्रैफिक जाम से मुक्ति दिलाने की दिशा में विशेष दिलचस्पी दिखाई। अंडरपास का निर्माण जल्द से जल्द पूरा हो, इसके लिए वर्तमान परियोजना

निदेशक धीरज सिंह भी लगातार प्रयासरत रहे। उन सभी प्रयासों का नतीजा आज सामने है।

द्वारका एक्सप्रेस-वे का गुरुग्राम भाग भी होगा चालू

उन्होंने कहा कि अंडरपास के चालू होने के साथ ही चौक पर से ट्रैफिक का दबाव काफी हद तक कम हो जाएगा। एसपीआर से सीधे तौर पर 20 से अधिक सेक्टर जुड़े हैं। कई गांव भी सीधे तौर पर जुड़े हैं। सेक्टर-40 निवासी राजेश कुमार एवं राज वर्मा कहते हैं कि बहुत बड़ी समस्या से शहर को निजात मिलने जा रही है। दैनिक जागरण ने शहर को बड़ी समस्या से मुक्ति दिलाने में भूमिका निभाई है। अब जितनी जल्द हो फुल क्लोवरलीफ फ्लाईओवर चालू किया जाए। साथ ही द्वारका एक्सप्रेस-वे के गुरुग्राम भाग को चालू किया जाएगा। दोनों के चालू होने से एक साथ कई समस्याएं दूर हो जाएंगी।

अंडरपास से इलाके की तस्वीर बदल जाएगी

बादशाहपुर निवासी जय सिंह का कहना है कि वाटिका चौक अंडरपास के चालू होने के बाद इलाके की तस्वीर काफी हद तक बदल जाएगी। चौक पर ट्रैफिक दबाव की वजह से आसपास के इलाकों में शाम पांच बजे से रात नौ बजे के दौरान आने से बाहरी लोग कतराने लगे थे। एनएचएआई और जीएमडीए ने मिलकर बहुत बड़ा काफी तेजी से किया है।

बस में आगजनी के बाद लापता बच्ची का शव मिला, एक और मासूम ने तोड़ा दम; अब तक चार की मौत

दिल्ली-जयपुर हाईवे पर बुधवार रात एक निजी बस में आग लगने से अब तक चार लोगों की मौत हो चुकी है। इसमें एक बच्ची लापता थी जिसका शव बस में ही बरामद हुआ है। वहीं एक और बच्ची ने सफदरजंग अस्पताल में दम तोड़ दिया। वहीं बस में एक महिला के गर्भवती होने की बात कही गई है। इसकी जांच के लिए नमूने लिए गए हैं।

गुरुग्राम। दिल्ली-जयपुर हाईवे पर बुधवार रात निजी बस में आग लगने के बाद 40 घंटों से लापता पांच साल की दीपाली के शव के अवशेष जली हुई बस से ही बरामद किए गए हैं। इससे पहले बस से दो शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेजे गए थे। पोस्टमार्टम के दौरान दोनों शव महिलाओं के होने की जानकारी मिलने के बाद बच्ची की तलाश तेज हुई।

शुक्रवार दोपहर 12 बजे फॉरेंसिक टीम ने बस से बच्ची के अवशेष बरामद किए। वहीं एक और तीन साल की बच्ची ने सफदरजंग अस्पताल में दम तोड़ दिया। अब इस हादसे में मरने वालों की संख्या चार हो गई है। बुधवार रात आठ बजे गुरुग्राम के सेक्टर 12 चौक से उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले के लिए निकली निजी बस में हाईवे पर गूगल ऑफिस के सामने फ्लाईओवर पर आग लग गई थी। इस हादसे में 15 लोग आग से झुलस गए थे।

लोगों ने खिड़कियों से कूदकर जान बचाई थी। कूदने से भी करीब 10 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। आग बुझने के बाद पुलिस टीम ने बस से दो शव बरामद किए थे। एक परिवार ने महिला और पांच साल की बच्ची मिसिंग बताई थी। इससे यह माना जा रहा था कि जो शव पोस्टमार्टम हाउस भेजे गए, वह मां-बेटी के थे, लेकिन गुरुवार दोपहर बाद जब पोस्टमार्टम किया गया, तब दोनों शव 22 से 28 साल के बीच की महिलाओं के निकले।

फॉरेंसिक टीम से बस की दोबारा जांच कराई गई

एक अन्य युवक बलू द्वारा अपनी पत्नी के मिसिंग बताने पर दोनों शवों की पहचान माया और गायत्री के रूप में की गई। वहीं इसके बाद माया की बेटी दीपाली लापता बताई गई। पुलिस टीमों ने शहर के लगभग सभी अस्पतालों की जांच कराई। जब बच्ची कहीं नहीं मिली, तब फॉरेंसिक टीम से दोबारा बस की जांच कराने का फैसला लिया गया। इस मामले के आइओ सेक्टर 40 के एडिशनल एसएचओ विनोद कुमार ने बताया कि दोबारा जांच में बच्ची के अवशेष बस से बरामद किए गए। दूसरी ओर गंभीर रूप से झुलसी तीन साल की बच्ची अन्या सफदरजंग अस्पताल में भर्ती थी। इलाज के दौरान उसने भी दम तोड़ दिया। अन्या गायत्री की बेटी थी।

महिलाओं के शवों का एक साथ अंतिम संस्कार

बस से बरामद दो महिलाओं के शवों के पोस्टमार्टम के दौरान एक महिला के गर्भवती होने की जानकारी भी सामने आई है। हालांकि, पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टर माथुर का कहना है कि आग से दोनों महिलाओं के सभी अंग जल गए। हो सकता है कि वह किसी अंग का ही पार्ट हो। गर्भवती होने की जांच के लिए सैंपल लिए गए हैं। रिपोर्ट आने के बाद ही साफ हो पाएगा। वहीं गर्भवती होने की जानकारी के बाद गुरुवार शाम दोनों महिलाओं के परिजन ने शव लेने से इनकार कर दिया था।

शवों की पहचान के लिए होगा डीएनए टेस्ट

माया के पति विनोद का कहना था कि उन्हें पांच महीने का एक बेटा है। ऐसे में उनकी पत्नी गर्भवती नहीं हो सकती। वहीं बलू का कहना था कि उन्होंने भी दो बच्चे आर्यन और अन्या के होने के बाद पत्नी की नसबंदी कराई थी। शुक्रवार को शव परिजन को सौंप दिए गए। दोनों शवों का एक साथ अंतिम संस्कार किया गया। फिलहाल शवों की पहचान के लिए डीएनए टेस्ट कराया जाएगा। इसके लिए भी नमूने लिए गए हैं।

सांप के जहर की तस्करी में एल्विश यादव को लेकर सपेरों से पूछताछ, पुलिस को 54 घंटों की मिली रिमांड

नोएडा सेक्टर-20 कोतवाली पुलिस ने शुक्रवार को जेल में बंद सपेरों से पूछताछ की। पुलिस ने रेव पार्टी और सांप के जहर की तस्करी में एल्विश यादव की भूमिका को लेकर सवाल पूछे। वहीं जब इसकी जानकारी सपेरों के परिजनों को हुई तो वे थाने के बाहर जुटने लगे। उनका कहना है कि एनजीओ के द्वारा उनके लोगों को जबरन फंसाया जा रहा है।

नोएडा। जिले के सेक्टर-20 कोतवाली पुलिस ने जेल में बंद सपेरों समेत पांच आरोपितों को रिमांड पर लेकर रेव पार्टियों में शामिल होने और सर्प विष की तस्करी के मामले में शुक्रवार को पूछताछ की। पुलिस को आरोपियों से पूछताछ के लिए 54 घंटे की रिमांड मिली है।

संभावना थी कि रिमांड के पहले दिन पुलिस आरोपियों को सेक्टर-20 कोतवाली लेकर पहुंचेगी। इस कारण मीडिया के साथ सपेरों के परिजन सुबह आठ बजे से ही कोतवाली के बाहर जमा होने लगे थे। सपेरों की ओर से छह से अधिक वकील भी कोतवाली के बाहर नजर आए। इनमें तीन वकील हरियाणा के थे।

सपेरों के परिजन का कहना है कि सपेरों को एनजीओ के लोगों द्वारा जबरन फंसाया जा रहा है। पुलिस पर कई गंभीर आरोप लगाए। इस कारण सुबह से शाम तक सेक्टर-20 कोतवाली, सेक्टर-18 स्थित पुलिस चौकी, सेक्टर-126 कोतवास, सेक्टर-6 स्थित डीसीपी नोएडा और एसीपी कार्यालय के बाहर हलचल रही। लेकिन खबर लिखे जाने तक कोतवाली में पुलिस सपेरों को लेकर नहीं पहुंची।

संभावना जताई गई कि पुलिस ने सेक्टर-126 कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत एक दफ्तर में राहुल, टीटूनाथ, जयकरन, नारायण और रविनाथ को रंगे को रिमांड पर लेकर पूछताछ की गई है।

मुद्दा विहीन नजर आ रहे हैं इस बार के विधानसभा चुनाव

ललित गर्ग

राष्ट्र को समग्र दृष्टि से सशक्त एवं विकसित करना, बढ़ती आबादी की बढ़ती मूलभूत आवश्यकताओं की आपूर्ति करना किसी भी लोकतन्त्र में चुनी गई सरकारों का मूल दायित्व होता है। ये चुनी हुई सरकारें जनता की मालिक नहीं होतीं बल्कि उसकी नौकर होती हैं।

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आते जा रहे हैं, चुनावी सरगर्मियां एवं आक्रामकता बढ़ती जा रही है। उम्मीदवारों के चयन, चुनाव जीतने एवं सरकार बनाने को लेकर पूरी आक्रामकता है, लेकिन जनहित के मुद्दों पर गहरा सन्नाटा पसरा है। इन चुनावों में सबसे बड़ी विडम्बना जो हर बार की तरह इस बार भी देखने को मिल रही है, वह है इन चुनावों का मुद्दाविहीन होना और दलबदल की स्थितियों का बढ़चढ़ कर सामने आना। राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, मिजोरम एवं तेलेगाना में अब मतदाताओं के हाथ में राजनीतिक दलों और नेताओं के भाग्य की कुंजी आ गई है। इन चुनावों में भी हर बार की तरह इस बार भी जातिवादी जुनून, सांप्रदायिक कट्टरता और मतदाता को लुभाने-भरमाने की कोशिशें लोकतन्त्र की जड़ों को कमजोर कर रही है। चुनाव का समय सिटीजन ग्रुप्स से मिलकर, उनकी समस्याओं को सुनकर, उनके समाधान के लिये तत्पर होने का है, राजनीतिक दल अपनी जनता की मूलभूत समस्याओं के बारे में पूरी जानकारी लें फिर उन समस्याओं के समाधान का रोडमैप प्रस्तुत करते हुए जनता से वोट मांगें। देखा जाए तो लोकतंत्र की असली अवधारणा भी यही है। लेकिन मौजूदा समय में धनबल और बाहुबल चुनावों में हावी होता जा रहा है, राजनीति कभी सेवा का जरिया हुआ करती थी किन्तु आज व्यवसाय बनती जा रही है, यह चिंता का विषय है और इससे लोकतंत्र की जड़ें कमजोर हो रही हैं।

आजादी के अमृतकाल का यह पहला चुनाव है, चुनाव लोकतान्त्रिक प्रणाली के आधार होते हैं। इसी लोकतंत्र के महाकुंभ में लोककल्याण की योजनाओं की चर्चा होती है। राजनैतिक दलों ने चुनावों के अवसर पर लोक कल्याणकारी नीतियां जनता के सामने रखने का प्रचलन शुरू किया जिसे घोषणापत्र कहा गया। हर चुनाव की अलग परिस्थितियां होती हैं अतः घोषणापत्र भी हर बार नये प्रस्तुत किये जाते हैं। लेकिन विडम्बना यह है कि इन घोषणा-पत्रों एवं विजीत दल की सरकार बन जाने के बाद उसकी नीतियों एवं योजनाओं में काफी अन्तर आ जाता है। अतः मतदाता चुनाव के समय जागरूक होकर मतदान करे ताकि उनके साथ किये जाने वाले वायदे यथासंभव पूरे हों। इन पांच राज्यों के चुनावों में मतदाता को दोहरी भूमिका निभानी होगी- घर के मालिक की भी और घर के पहरेदार की भी। मालिक के नाते उसका कर्तव्य होगा कि वह जनता के हितों के ठेकेदार कहलाने वालों को ठोक बजाकर देखे-परखे। और घर के पहरेदार के नाते उसका कर्तव्य बनता है कि वह सिर्फ जागे ही नहीं बल्कि सतत सावधान भी रहे। इसी जागरूकता और सावधानी का तकाजा है कि वह सत्ता में बैठने के इच्छुक लोगों की कथनी-करनी को विवेक के तराजू पर तोले। चूंकि उसे ही सबसे अधिक खोना और सबसे अधिक पाना है, इसलिए सबसे बड़ी जिम्मेदारी भी उसी की है। इस जिम्मेदारी को मतदाता वैयक्तिक स्तर पर भी निभाएं- अपने आप से यह पूछकर कि उसके वोट देने का आधार क्या होगा। पहला निर्णय तो मतदाता को यह करना होगा कि उसे वोट देना ही है। फिर यह तय करना होगा कि वह 'गलत' के पक्ष में वोट नहीं देगा। जब प्रत्येक मतदाता अपने वोट का प्रयोग बहुत सोच-समझकर करेगा तभी लोकतंत्र मजबूत होगा और तभी सशक्त भारत का निर्माण हो सकेगा।

राष्ट्र को समग्र दृष्टि से सशक्त एवं विकसित करना, बढ़ती आबादी की बढ़ती मूलभूत आवश्यकताओं की आपूर्ति करना किसी भी लोकतन्त्र में चुनी गई सरकारों का मूल दायित्व होता है। ये चुनी हुई सरकारें जनता की मालिक नहीं होतीं बल्कि उसकी नौकर होती हैं क्योंकि जनता इन्हें केवल पांच साल के लिए ही देश की व्यवस्था चलाने एवं देश की विकास योजनाओं को आकार देने की जिम्मेदारी सौंपती है। इस दौरान चुनी हुई सरकारें अपनी लोक कल्याणकारी नीतियों को चला कर जनता के प्रति मिले दायित्व को पूरा करने का प्रयास करती है। लोकतन्त्र की बहुराजनैतिक प्रणाली में कभी भी विकल्पों की कमी नहीं रहती है, यह भी इस व्यवस्था की खूबसूरती एवं मौलिकता होती है। इसके चलते ही हमने केन्द्र से लेकर विभिन्न राज्यों में विभिन्न राजनैतिक दलों की सरकारें देखी हैं। प्रत्येक राजनैतिक दल के अपने कुछ मूलभूत सिद्धान्त होते हैं जिनके तहत वे सत्ता में आने पर लोक कल्याणकारी कदम उठाने का दावा करते हैं। ऐसा ही एक लोककल्याणकारी कदम था भारत में प्रत्येक व्यक्ति को दोनों वक्त भोजन करने का अधिकार देना। भले ही यह कदम डॉ. मनमोहन सिंह की कांग्रेस सरकार ने उठाया, लेकिन इसकी प्रभावी क्रियान्विति 2020 में देश में कोरोना संक्रमण काल के समय मोदी सरकार ने की। तब लगभग 80

करोड़ लोगों को प्रतिमाह पांच किलो मुफ्त राशन देने की व्यवस्था की गई। अब इस योजना को प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी ने पांच साल और आगे जारी रखने का फैसला किया है। इसका मतलब यह हुआ कि लोक कल्याणकारी नीतियां बनाना हर सरकार का प्राथमिक दायित्व होता है। मोदी सरकार ने ऐसी अनेक लोक कल्याणकारी योजनाओं को लागू किया है। प्रांतों में राजस्थान में अशोक गहलोत ने तो मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह सरकार ने भी ऐसी अनेक लोककल्याणकारी योजनाएं चुनाव सन्निकट आते देखकर शुरू की है, जिन्हें हम लोककल्याण से अधिक मुफ्त की रेवड़ियां कह सकते हैं।

मतदाताओं को जागरूक करने के लिये अणुव्रत विश्व भारती एवं भारतीय मतदाता संगठन ने मतदाता जागरूकता अभियान चला रखा है। जिसका उद्देश्य है कि मतदाता को सोचने को विवश करना कि अपराधी हमारा वोट कैसे पा लेते हैं? राष्ट्र की धन-सम्पदा से खिलवाड़ करने वाले भ्रष्टाचारी हमारे आदर्श कैसे बन जाते है? क्यों हम भ्रष्टाचारियों, अवसरवादियों और अपराधियों को वोट देते हैं और फिर वे हम पर राज करते हैं? हम इन स्थितियों को चुपचाप स्वीकार किए रहते हैं। लेकिन आखिर कब तक? कब तक हम ठगे जाते रहेंगे? कब तक मूक दर्शक बनकर राष्ट्र को लूटता हुआ देखते रहेंगे? व्यक्ति और व्यवस्था के समवेत सुधार से ही समाज में बदलाव आ सकता है। व्यवस्था को संचालित करने वाले हाथ जब तक पवित्र नहीं होंगे, तब तक व्यवस्था को बदलना भी अपर्याप्त होगा। लोकतन्त्र को मजबूत बनाने के लिए योग्य प्रत्याशी का चयन जरूरी है। जिस तरह विभिन्न परीक्षाओं में मापदंड जरूरी होता है, उसी तरह राजनीति में भी योग्यता का मापदंड निश्चित होना चाहिए। वोट उसी को दें, जो ईमानदार हो, नाशमुक्त हो, जातिवादी जुनून और सांप्रदायिक कट्टरता से दूर हो तथा राष्ट्रीय एकता, मानवीय मूल्यों और सामाजिक सौहार्द में जिसका विश्वास हो। व्यक्ति जिस तरह अपनी बेटी का हाथ थमाते समय विचार करता है उसी प्रकार वोट देते समय भी विचार कर ही अपना वोट देना चाहिए।

राजनीतिक दल अपने-अपने ढंग से चुनावों की तैयारियों में जुटे हैं। गठबंधनों की बातें ही नहीं हो रहीं, गठबंधनों की रणनीतियां तैयार होने लगी हैं। दलबदल हो रहा है। विभिन्न राजनीतिक दल समीकरण बनाने-बिठाने की जोड़तोड़ में जुट गये हैं। कुछ राष्ट्रीय दलों में घमासान मचा हुआ है, तो कुछ क्षेत्रीय राजनीतिक दलों के लिये ये चुनाव प्रतिष्ठा का प्रश्न बने हुए हैं। इन स्थितियों के बीच मतदाता को भी जागरूक होना है। आने वाले चुनाव में मतदाता इतने सशक्त रूप में अपनी भूमिका को प्रस्तुत करें कि राजनीतिक दल चुनाव के बाद उसकी अनदेखी करने का दुस्साहस न कर सके। यहां तक कि मतदाता को लुभाने की कोशिशें और उसे भरमाने के प्रयासों से भी राजनैतिक दल उपरत हों, यही वर्तमान की सबसे बड़ी अपेक्षा और एक सशक्त संदेश है। राजा और प्रजा, शासक और शासित की यह व्यवस्था सदैव रही है और सदैव रहेगी। पद्धतियां बदलती रहती हैं। पहले राजा रानी के पेट से पैदा होता था और अब 'मत पेटी' से पैदा होता है। इसीलिये जनतंत्र में सबसे महत्वपूर्ण पहलू चुनाव है। यह राष्ट्रीय चरित्र का प्रतिबिम्ब है। जनतंत्र में स्वस्थ मूल्यों को बनाये रखने के लिए चुनाव की स्वस्थता और उसमें आम मतदाता की सक्रिय भागीदारी अनिवार्य है। राजनीतिक दलों से पहले मतदाता को जागना होगा।

त्योहारों के चलते यात्री वाहनों की हुई रिकार्ड तोड़ बिक्री, अक्टूबर में बिके 3.8 लाख से अधिक पैसेंजर व्हीकल

यात्री वाहनों की थोक बिक्री बढ़कर रिकार्ड स्तर पर रही है। पिछले महीने यात्री वाहनों की थोक बिक्री 389714 इकाई रही है। बता दें कि पिछले वर्ष के 336339 इकाई के मुकाबले 16 प्रतिशत की वृद्धि देखने को मिली है। पिछले महीने कंपनियों की ओर से 76940 तिपहिया डीलर्स को भेजे गए । पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले इसमें 42 प्रतिशत की वृद्धि रही है।

नई दिल्ली। मजबूत त्योहारी मांग के चलते अक्टूबर में यात्री वाहनों की थोक बिक्री बढ़कर रिकार्ड स्तर पर रही है। वाहन निर्माता कंपनियों के संगठन एसोसिएशन आफ इंडियन आटोमोबाइल मैन्यूफैक्चरर (सियाम) ने शुक्रवार को बताया कि पिछले महीने यात्री वाहनों की थोक बिक्री 3,89,714 इकाई रही है।

बिक्री 16 प्रतिशत की वृद्धि

इसमें पिछले वर्ष के 3,36,339 इकाई के मुकाबले 16 प्रतिशत की वृद्धि रही है। यात्री वाहनों की थोक बिक्री का यह अब तक की सबसे ज्यादा संख्या है। कंपनियों की ओर से डीलर्स को भेजे गए वाहनों को थोक बिक्री कहा जाता है।

सियाम के अनुसार, पिछले महीने कंपनियों की ओर से 76,940 तिपहिया डीलर्स को भेजे गए और पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले इसमें 42 प्रतिशत की वृद्धि रही है। पिछले वर्ष अक्टूबर में डीलर्स को 54,154 तिपहिया भेजे गए थे।

दोपहिया की बिक्री 20 प्रतिशत बढ़ोतरी

सियाम के प्रेसिडेंट विनोद अग्रवाल का कहना है कि अक्टूबर में यात्री वाहनों और तिपहिया की अब तक की सबसे ज्यादा बिक्री रही है। वहीं, दोपहिया की बिक्री भी अच्छी रही है। अग्रवाल ने बताया कि तीनों श्रेणी के वाहनों की थोक बिक्री में दहाई अंक में वृद्धि रही है।

इस वर्ष अक्टूबर में दोपहिया की बिक्री 20 प्रतिशत बढ़कर 18,95,799 इकाई रही है, जो पिछले वर्ष समान महीने में 15,78,383 इकाई थी। पिछले महीने कुल वाहन बिक्री 23,14,197 इकाई रही है, जो अक्टूबर 2022 में 19,23,721 इकाई थी।

BMW X4 M40i लग्जरी कार कितनी खास, 4 प्वाइंट्स में समझें

BMW X4 M40i में कार्बन फाइबर ट्रिम और स्पोर्टी 3-स्पोक स्टीयरिंग व्हील के साथ डुअल-टोन इंटीरियर है। एसयूवी 12.3 इंच के डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और समान आकार के टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम से लैस है। इसमें 3-जोन ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल रिक्लाइनिंग रियर सीटें और एक पैनोरमिक सनरूफ भी मिलता है। आइये इस लग्जरी कार के बारे में डिटेल में जानते हैं।

नई दिल्ली। हाल ही में BMW ने X4 M40i लग्जरी कार के इंडियन मार्केट में लॉन्च कर दिया है। ये कार अपने एडवांस फीचर्स और बोल्ड लुक के लिए काफी सुर्खियों में है, इसलिए इस खबर के माध्यम से आपको बताने जा रहे हैं इस लग्जरी कार से जुड़ी खास प्वाइंट्स के बारे में।

कितना दमदार है इसका इंजन?

X4 M40 एक 3.0-लीटर, 6-सिलेंडर टर्बोचार्ज्ड पेट्रोल इंजन है, जो 5,200-6,500 आरपीएम पर 355 बीएचपी और 1,900-5,000 आरपीएम पर 500 एनएम की पीक टॉर्क जेनरेट करता है। इंजन 8-स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन और ऑल-व्हील ड्राइव सिस्टम से लैस है। एसयूवी में ऑटोमैटिक डिफरेंशियल लॉक के साथ एडेप्टिव सस्पेंशन और एम स्पोर्ट डिफरेंशियल मिलता है।

BMW X4 लुक और डिजाइन

बीएमडब्ल्यू एक्स4 के लुक और डिजाइन की बात करें तो यह एक स्टाइलिश कूपे जैसी रूफ वाली एसयूवी है। स्पोर्टियर M40i वेरिएंट होने के नाते, इसमें आगे की तरफ स्मोक्ड एलईडी हेडलैंप के साथ एक डार्क बीएमडब्ल्यू एम किडनी ग्रिल, एम स्पोर्ट ब्रेक और रेड ब्रेक कैलीपर्स के साथ 20-इंच जेट ब्लैक एम लाइट अलॉय व्हील और पीछे की तरफ डुअल एग्जॉस्ट टिप्स के साथ स्लीक एलईडी टेल लाइट्स सेटअप्स मिलते हैं।

BMW X4 फीचर्स

X4 M40i में कार्बन फाइबर ट्रिम और स्पोर्टी 3-स्पोक स्टीयरिंग व्हील के साथ डुअल-टोन इंटीरियर है। एसयूवी 12.3 इंच के डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और समान आकार के टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम से लैस है। इसमें 3-जोन ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल, रिक्लाइनिंग रियर सीटें और एक पैनोरमिक सनरूफ भी मिलता है।

कितनी है कीमत

BMW ने भारत में X4 M40i लॉन्च कर दी है। एसयूवी सीमित संख्या में उपलब्ध होगी और सीबीयू के माध्यम से इंपोर्ट की जाएगी। इसकी कीमत 96.20 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है।

रॉयल इनफील्ड हिमालियन 452 कब होगी लॉन्च? जानें संभावित कीमत से लेकर सारी डिटेल्स

रॉयल एनफील्ड हिमालयन 452 के भारत में नवंबर 2023 में 260000 रुपये से लेकर 270000 की संभावित कीमतों में लॉन्च हो सकती है। हालांकि सही कीमतों का खुलासा अगले महीने ही हो पाएगा। लॉन्च होने के बाद ये बाइक केटीएम 390 एडवेंचर एक्स रॉयल एनफील्ड हिमालयन और केटीएम 250 एडवेंचर को टक्कर दे सकती है।

नई दिल्ली। प्रीमियम बाइक सेगमेंट के लिए साल 2023 बेहद खास रहा है, जहां एक से बढ़कर एक बाइक्स लॉन्च हुई हैं। किफायती कीमत में हाल ही में ट्रायम्फ 400एक्स को लॉन्च किया गया था, जिसके बाद अब बारी रॉयल एनफील्ड की है। जहां कंपनी Royal Enfield Himalayan 452 को लाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। फिलहाल बहुत से लोगों की निगाहें इसकी कीमतों पर टिकी हुई हैं, आइये जानते हैं इस बाइक से जुड़े लेटेस्ट डिटेल्स और संभावित कीमतों के बारे में।

7 नवंबर को होगी लॉन्च?

वाहन निर्माता कंपनी ने न्यू हिमालय के लॉन्चिंग तारीख अनाउंस कर दी है। कंपनी ने यह खुलासा किया है कि यह बाइक 7 नवंबर को बिक्री के लिए उपलब्ध होगी।

कितना दमदार होगा इसका इंजन?

इंजन की बात करें तो Royal Enfield Himalayan 452 में 451.65cc, लिक्विड-कूल्ड इंजन मिलता है। जो 8,000rpm पर 39.57bhp की पावर और लगभग 40-45Nm का पीक टार्क जेनरेट करता है। इसका इंजन 6 स्पीड गियरबॉक्स से कनेक्टेड है।

कैसी होगी डिजाइन?

नए वैरिएंट में फ्रंट मडगार्ड पर हिमालयन ब्रांडिंग है, जबकि फ्यूल टैंक, साइड पैनल और रियर की तरफ फेंडर में हिमालय ग्राफिक्स भी मिलता है। इस मोटरसाइकिल में एलईडी टर्न इंडिकेटर्स के साथ एक एलईडी हेडलैंप, छोटी विंडशील्ड, एक नई बीक, जो हीरो एक्सपल्स के समान दिखती है, फिर से डिजाइन किया गया फ्यूल टैंक, बड़ा इंटरकूलर, नए ग्रैब हैंडल, नए एग्जॉस्ट मिलते हैं।

संभावित कीमतें

रॉयल एनफील्ड हिमालयन 452 के भारत में नवंबर 2023 में 2,60,000 रुपये से लेकर 2,70,000 की संभावित कीमतों में लॉन्च हो सकती है। हालांकि सही कीमतों का खुलासा अगले महीने ही हो पाएगा। लॉन्च होने के बाद ये बाइक केटीएम 390 एडवेंचर एक्स, रॉयल एनफील्ड हिमालयन और केटीएम 250 एडवेंचर को टक्कर दे सकती है।

विपक्ष का गठबंधन किस राह पर?

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

कुछ महीने पहले विपक्ष के प्रमुख दलों ने मिल बैठ कर एक गठबन्धन बनाया था जिसका नाम उन्होंने इंडी रखा। शुरू शुरू में दो बैठकें भी कीं। मोटे तौर पर सभी दलों ने मान ही लिया कि नेतृत्व राहुल गान्धी जी का ही रहेगा। वे ही विपक्षी दलों का मार्गदर्शन करेंगे और नरेन्द्र मोदी को पराजित करने की इच्छा को साकार करेंगे।

नीतीश बाबू को इससे कोई फर्क नहीं पडने वाला। अलबत्ता उनकी इस भागदौड़ में लालू के बेटों ने आंगन के पिछवाड़े पर कब्जा कर लिया। सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन का सारा श्रेय उन्होंने स्वयं लेना शुरू कर दिया। नीतीश बाबू का नाम ही गोल कर दिया। इंडी में पूछ प्रतीत नहीं और लालू के बेटे पीछे से घेरने लगे तो नीतीश बाबू ने बिहार विधानसभा में ही शाब्दिक अश्लील हरकतें करनी शुरू कर दीं। विधानसभा में महिला सदस्य भी बैठी थीं तो नीतीश बाबू सधे अंदाज में अभिनय के साथ संभोग की क्रियाएं समझाने लगे। नीतीश बाबू की यह मानसिक हालत अभी किसी को पता नहीं थी। लेकिन लगता है राजनीतिक स्थिति से निराश होकर वे स्वयं ही अपनी असलियत जाहिर करने लगे हैं। लेकिन ताज्जुब है कि उनके इंडी के दूसरे भागीदारों ने नीतीश बाबू की इस हरकत पर क्षोभ व्यक्त नहीं किया'

कुछ महीने पहले विपक्ष के प्रमुख दलों ने मिल बैठ कर एक गठबन्धन बनाया था जिसका नाम उन्होंने इंडी रखा। शुरू शुरू में दो बैठकें भी कीं। मोटे तौर पर सभी दलों ने मान ही लिया कि नेतृत्व राहुल गान्धी जी का ही रहेगा। वे ही विपक्षी दलों का मार्गदर्शन करेंगे और नरेन्द्र मोदी को पराजित करने की इच्छा को साकार करेंगे। राहुल गान्धी ने भी इस नई भूमिका के लिए रिहर्सल वगैरह शुरू कर दी। एक दिन ट्रक पर चढ़ कर, ट्रक ड्राईवर का अभिनय किया। दूसरे दिन रेलवे स्टेशन पर जाकर कुली का काम किया। उसके लिए बाकायदा कुली की वर्दी भी पहनी। कुछ क्षण क्षणिक खेत में जाकर ध्यान से यह भी देखा कि पौधे कैसे उगते हैं और वहां धूप में दो तीन मिनट फसल बगैरह काटने का दृश्य भी पैदा किया। बाकी विपक्षी दल उनके ये कार्य धैर्य से देखते रहे कि कम से कम कांग्रेस राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलांगना और मिजोरम की पांच विधानसभाओं के चुनाव में उनके लिए कुछ सीटें छोड़ देगी। लेकिन राहुल गान्धी कुली वगैरह बनने तक तो मनोरंजन करते रहे लेकिन अन्य विपक्षी दलों के लिए इन पांच राज्यों में सीटें छोडने की सीमा तक मनोरंजन करने के लिए तैयार नहीं हुए। अखिलेश यादव मध्य प्रदेश में अपने समाजवादी दल के लिए सीटें मांग रहे थे। लेकिन राहुल गान्धी पैरों पर पानी नहीं पडने दे रहे थे। इसलिए अखिलेश यादव निराश और नाराज, दोनों एक साथ ही हो गए।

उन्होंने अपने प्रत्याशियों की फौज मध्य प्रदेश में उतार दी और साथ ही कांग्रेस को खरी खोटी सुना दी। यादव ने यह संकेत भी दे दिया कि लोकसभा के चुनाव में कांग्रेस जैसी चालाक पार्टी से समझौता कैसे सम्भव है? लालू जी की मांगें तो खत्म होने का नाम ही नहीं लेतीं। आम आदमी पार्टी के खास आदमी कांग्रेस से भी चालाक सिद्ध हो रहे हैं। उनको लगता था कि इन पांच राज्यों में कांग्रेस प्रतीक स्वरूप भी उसे कुछ सीटें छोड़ देगी तो वे कुछ अन्य प्रान्तों में भी एक-दो विधायकों के मालिक बन जाएंगे। लेकिन कांग्रेस ने उनकी यह ख्वाहिश पूरी नहीं की। केजरीवाल ने अपने प्रत्याशी जगह जगह खड़े कर दिए हैं। लेकिन क्या मजाल कि कांग्रेस के खिलाफ एक शब्द भी बोला हो। उसका उत्तर शायद वे पंजाब और दिल्ली में दें। यह भी हो सकता है वहां भी न दें। दरअसल केजरीवाल कांग्रेस के ढहने का इन्तजार कर रहे हैं। उनके पास लम्बा समय है। वे जानते हैं इंडी के बावजूद कांग्रेस का महल गिरेगा ही। तब आपाधापी मचेगी। उस समय वे महल में दबे लोगों को बांह निकालने और उनका स्वागत करने को तत्पर होंगे। परन्तु उनकी एक ही समस्या है। भ्रष्टाचार के मामले उनका पीछा नहीं छोड़ते। कहा भी जाता है कई बार बचपन की गल्तियां ताउम्र तंग करती रहती हैं। भ्रष्टाचार के मामलों में उनके प्रमुख साथी जेल में बन्द हैं। अनेक कोशिशों के बाद भी उनकी जमानत नहीं हो रही। सबूतों के संकेत अब केजरीवाल के घर की ओर भी आने लगे हैं। इसलिए अब वे देशभर में जनमत संग्रह करवाएंगे कि क्या जेल से ही केजरीवाल को मंत्रिमंडल चलाते रहना चाहिए या फिर उन्हें जेल जाने पर इस्तीफा देना चाहिए? वैसे मनीष सिसोदिया ने भी कई महीने पहले जेल जाने पर दिल्ली के स्कूली छात्रों से अपील की थी कि वे मेरी गैरहाजिरी में इधर उधर मत घूमें, अपनी पढ़ाई पर ध्यान दें। उनको लगता था कि उनके डर से ही देश के छात्र पढ़ते हैं। उनके जेल जाने पर वे आवारा हो जाएंगे। यही बात केजरीवाल बड़े पैमाने पर कर रहे हैं।

उनको भी लगता है कि उनके जेल जाने से दिल्ली रसातल को चली जाएगी। इसलिए वे जेल से ही सरकार चलाने का जनमत लेना चाहते हैं। कांग्रेस इस जनमत पर आंख लगाए बैठी है। उनको अपने नैशनल हैराल्ड वाले केस का डर खाए जा रहा है, जिसमें मां-बेटा दोनों ही जमानत पर हैं। इंडी गठबन्धन के बाकी दल स्पष्ट हैं। उन्होंने इसका खुलासा भी कर दिया है। सीताराम येचुरी सीपीएम के बड़े नेता हैं। उन्होंने कोलकाता में स्पष्ट कर दिया कि इंडी की प्राणवायु ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस के साथ पश्चिमी बंगाल में कोई समझौता नहीं होगा। उसके साथ बंगाल को छोड़ कर अन्य स्थानों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर समझौता होगा। तृणमूल कांग्रेस के लोग हैरान हैं कि पार्टी तो बंगाल की है। सीपीएम बंगाल में समझौता करेगी नहीं तो क्या तृणमूल के साथ पंजाब में सीटों का बंटवारा किया जाएगा। नीतीश बाबू शुरू में ही समझ गए थे कि क्या खेला हो रहा है। भागदौड़ करके विरोधी दलों का सम्मेलन उन्होंने पटना में बुलाया था। सोचा था, उन्हें इसका संयोजक बना दिया जाएगा तो थोड़ा देश भर में घूम कर अपना ईमेज बना लेंगे कि प्रधानमंत्री बनने लायक माल है। जेडीयू के कुछ 'नन्हां मुन्ना राही हूं, देश का सिपाही हूं' टाईप गीत गाने भी शुरू कर दिए थे। देश का सिपाही थोड़ा मैडल वगैरह लगा कर 'प्रधानमंत्री का पद यदि देश की जनता देगी तो मैं पीछे नहीं हटूंगा' जैसे जुमले भी याद करने लगा था। लेकिन कांग्रेस के मां-बेटे ने बेंगलुरु में सारा गुड़-गोबर कर दिया। उनके शो को हाईजैक कर, अपना बोर्ड लगा लिया। इन पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में नीतीश बाबू के जेडीयू को भी घास नहीं डाली। नीतीश बाबू को भी अपनी पार्टी के प्रत्याशी मैदान में उतारने पड़े। लेकिन चुनाव के नतीजे तो आते रहेंगे।

नीतीश बाबू को इससे कोई फर्क नहीं पडने वाला। अलबत्ता उनकी इस भागदौड़ में लालू के बेटों ने आंगन के पिछवाड़े पर कब्जा कर लिया। सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन का सारा श्रेय उन्होंने स्वयं लेना शुरू कर दिया। नीतीश बाबू का नाम ही गोल कर दिया। इंडी में पूछ प्रतीत नहीं और लालू के बेटे पीछे से घेरने लगे तो नीतीश बाबू ने बिहार विधानसभा में ही शाब्दिक अश्लील हरकतें करनी शुरू कर दीं। विधानसभा में महिला सदस्य भी बैठी थीं तो नीतीश बाबू सधे अंदाज में अभिनय के साथ संभोग की क्रियाएं समझाने लगे। नीतीश बाबू की यह मानसिक हालत अभी किसी को पता नहीं थी। लेकिन लगता है राजनीतिक स्थिति से निराश होकर वे स्वयं ही अपनी असलियत जाहिर करने लगे हैं। लेकिन ताज्जुब है कि उनके इंडी के दूसरे भागीदारों ने न तो नीतीश बाबू की इस हरकत पर क्षोभ व्यक्त किया और यदि वे मानते हैं कि नीतीश बाबू मानसिक निराशा में ऐसा कर रहे हैं, तो कम से कम वे इस पर दुख ही प्रकट करते। इंडी का यह बड़ा अभियान इस हालत तक पहुंच जाएगा, इसकी किसी ने कल्पना नहीं की थी। इस तरह विपक्षी गठबंधन इंडिया में फूट अभी से जाहिर हो रही है।

संपादक की कलम से

नीतीश की अमर्यादित भाषा

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दोनों सदनों में महिला के प्रजनन अधिकारों पर ऐसी भाषा का इस्तेमाल किया है, जिसे अभद्र, अमर्यादित, असंसदीय और अंततः अश्लील करार दिया जा सकता है। वह भाषा न तो लिख कर दोहराई जा सकती है और न ही कही जा सकती है। परिवार में भी इतनी मर्यादा और परदा रखा जाता है कि ऐसी भाषा को साझा नहीं किया जा सकता। ऐसे शर्मसार और निर्लज्ज बयान देने वाले नीतीश कुमार कमोबेश देश के पहले मुख्यमंत्री हैं। वह नौसीखिया राजनीतिज्ञ नहीं हैं, बल्कि बीते 18 सालों से बिहार के मुख्यमंत्री हैं। 'सुशासन बाबू' विशेषण उनकी शख्सियत के साथ चिपका दिया गया है। बेशक 'लड़कियों के लिए साईकिल' और 'शराबबंदी' सरीखी योजनाएं उन्होंने बिहार में लागू कीं और पंचायत स्तर पर भी महिलाओं को आरक्षण दिया, लिहाजा नीतीश कुमार महिला वर्ग के 'चहेते मुख्यमंत्री' बने रहे हैं। उन्हें महिलाओं का भरपूर समर्थन भी मिलता रहा है, लेकिन स्त्री-पुरुष संबंधों और प्रजनन पर वह ऐसे 'प्रोफेसर' की मुद्रा में आ गए मानो मेडिकल के छात्रों को पढ़ा रहे हों! प्रोफेसर की भाषा भी ऐसी नहीं होती। मर्यादा क्यों जरूरी है आखिर? विधानसभा और विधान परिषद में इसकी क्या जरूरत थी? वे सदन सरकार की नीतियों पर विमर्श करने के लिए हैं। वहां मुख्यमंत्री 'गुप्त ज्ञान' नहीं बांट सकते। मुख्यमंत्री ऐसी शब्दावली का इस्तेमाल नहीं कर सकते कि एक महिला मंत्री को मुंह छिपाना पड़े और एक महिला विधायक की रुलाई फूट पड़े। मुख्यमंत्री का चरित्र देखिए कि जब वह मर्यादाओं को लांघ रहे थे, तब मुस्करा भी रहे थे और सदन में कुछ पुरुष विधायकों ने ठहाके भी लगाए थे। लैंगिक अधिकारों के संदर्भ आते हैं, तो यह भारतीय राजनीति का चरित्र बार-बार उभर कर सामने आता है। नीतीश को 'सज्जन नेता' माना जाता रहा है, लेकिन अब उससे भी मोहभंग हो गया है। बेशक मुख्यमंत्री ने खुद अपनी निंदा की है, शर्म महसूस की है, दुख भी प्रकट किया है और माफी मांगते हुए अपने शब्द वापस लिए हैं, लेकिन साथ में यह भी जोड़ दिया गया है कि 'अगर किसी को तकलीफ'।' यह हास्यास्पद राजनीति है। दरअसल मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जातीय सर्वेक्षण के संदर्भ में मांग की थी कि दलितों, आदिवासियों और पिछड़ों का कुल आरक्षण 65 फीसदी किया जाए। सवर्णों के लिए 10 फीसदी आरक्षण भी है, लिहाजा आरक्षण की कुल सीमा 75 फीसदी की जाए। बिहार के 'पिछड़ावादी' मुख्यमंत्री लालू यादव, राबड़ी देवी, नीतीश कुमार कोटे के अलावा और क्या जानते हैं? और इसके अलावा बिहार को उन्होंने क्या दिया है? बिहार में सबसे अधिक करीब 35 फीसदी लोग गरीब हैं। प्रति व्यक्ति आय 54,383 रुपए है। औसतन 55 फीसदी छात्राएं ही साक्षर हैं, जबकि ग्रेजुएट का औसत मात्र 7 फीसदी है। बहुत बड़ी संख्या में बिहारी लोग मजदूरी करने या रिक्शा चलाने बड़े शहरों को पलायन कर जाते हैं। ग्रेजुएशन की डिग्री 4-5 साल में भी मिल जाए, तो गनीमत है। मुख्यमंत्री ने इन सब तथ्यों से आंख मूंद रखी है। अच्छा है कि ज्यादा महिलाएं शिक्षित हो रही हैं, लिहाजा प्रजनन दर को कम किया गया है। जनसंख्या की दर 4.3 से घटकर 2.9 हो गई है। ये आंकड़े बिहार के अधिकृत ब्योरे हो सकते हैं, लेकिन हम इन तथ्यों पर भी भरोसा नहीं करते। गंभीर सवाल यह है कि मुख्यमंत्री को ऐसी फूहड़ और भद्दी भाषा तथा छिछले इशारे करने की जरूरत क्या थी? हास्यास्पद है कि उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और उनके पार्टी प्रवक्ता मुख्यमंत्री के कथनों को 'सही' मान रहे हैं, बल्कि मुख्यमंत्री का महिमा-मंडन किया जा रहा है। आश्चर्य यह है कि विपक्ष के 'इंडिया' गठबंधन ने ऐसी भाषा पर टिप्पणी तक नहीं की।

राय

सियासी परिदृश्य की प्रतिभा

हिमाचल प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह के कम से कम मंडी दौरे ने यह बता दिया कि पार्टी के सामने लोकसभा चुनाव की दीवार खड़ी है। ताजी सत्ता के सामने लोकसभा चुनाव के पैमानों की सियासत तो रहेगी ही, लेकिन तख्त और ताज की परीक्षा में सरकार के ढर्रे का मूल्यांकन भी होगा। यह इसलिए भी कि कांग्रेस इस समय देश के सामने फिर युग परिवर्तन की भूमिका में आगामी चुनाव की धुरी से, विपक्षी एकता के समुद्र को लांघ रही है, जबकि वर्तमान में पांच राज्यों के चुनाव परिणाम उसका राजनीतिक स्थान, कद और परिदृश्य तय करेंगे। हिमाचल में लोकसभा चुनाव की पटकथा यूं तो मंडी व हमीरपुर में लिखी जाएगी, फिर भी कांगड़ा और शिमला संसदीय क्षेत्रों में सत्ता के दरबार और सत्ता के दरबारियों के बीच फैसला होगा। मंडी क्षेत्र में प्रतिभा सिंह को कांग्रेस के तिलक और अपने परिवार की पृष्ठभूमि में उसी संकल्प को फिर से पूरा करना है, जो पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह की विरासत का संरक्षण करने का माद्दा रखता है। दूसरी ओर भाजपा की पूर्व सरकार और पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर की अमानत के लिए यहां चुनाव में दो-दो हाथ करने के लिए पगड़ी का सवाल है। क्या मंडी की पगड़ी पहन कर जयराम ठाकुर दिल्ली फतह करने के लिए इस सीट को सुनिश्चित करेंगे या फिल्मों में पिट कर सियासत में देश भक्ति खोज रही कंगना रणौत को भाजपा का आश्रय मिल जाएगा। फिलहाल कांग्रेस की ओर से मंडी का उम्मीदवार और भाजपा की ओर से हमीरपुर के प्रत्याशी लगभग तय हैं।

मंडी के बाद हमीरपुर संसदीय सीट में इस बार राज्य बनाम केंद्र की सत्ता का मुकाबला होगा। तमाम सत्ताओं के श्रेष्ठ फलक पर विद्यमान नेताओं का अपना भविष्य हमीरपुर संसदीय सीट के भविष्य पर टिका है। यह सीट मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के अलावा उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री के ताज-तिलक की परीक्षा है, तो केंद्रीय मंत्री के रूप में अनुराग ठाकुर की छवि और बतौर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के प्रभुत्व व प्रतिष्ठा का मूल्यांकन भी करेगी। जहां तक शिमला संसदीय सीट की अहमियत का सवाल है, सरकार सबसे अधिक मंत्रिमंडल में इस क्षेत्र को प्रतिनिधित्व देकर अपना दांव खेल चुकी है। शिमला सीट को जीतने का सामथ्र्य हकीकत में मंत्रिमंडल के गठन का विजय घोष होना चाहिए। यहां कई तोरणद्वार व कलगियां लगाकर सरकार ने प्रदेश को हिम्मत से बताया था कि उसके प्रभाव के सारे आंकड़े यानी पांच मंत्री इस क्षेत्र से होना अब नई सत्ता का दस्तूर है। यहां कांग्रेस का दांव अन्य सभी सीटों से भारी है। सरकार में कांगड़ा-चंबा संसदीय सीट की हकीकत राजनीतिक दास्तां की तरह है। यहां मंत्रिमंडल की एकमात्र पगड़ी पहने चौधरी चंद्र कुमार के माध्यम से अन्य पिछड़ा वर्ग के सारे मत बटोरने की इच्छा सरकार को रहेगी, लेकिन मंत्रिमंडल की रिक्तियां फिलहाल, सबसे अधिक सत्ता को दस विधायक सौंपने वाले कांगड़ा जिला की सियासी मजबूरी ही साबित हुई हैं। हो सकता है सीपीएस, कैबिनेट रैंक के दो पदकों व विधानसभा अध्यक्ष के पद देने के बाद भी चुनावी परीक्षा में उतरने से पहले सत्ता को उपेक्षित कांगड़ा का महत्त्व समझ आ जाए। ऐसे में मंत्रिमंडल विस्तार के लिए लोकसभा चुनाव ने कुछ जख्म तो अब तक सहला ही दिए हैं। फिर भी चुनावी परिभाषा के अनुरूप कांगड़ा संसदीय सीट भाजपा व कांग्रेस की कमजोर कड़ी प्रतीत होती है। यहां उम्मीदवारी के लिए खाली मैदान समझ कर कुछ ऐसे लोग भी मांसपेशियां दिखा रहे हैं, जो न भाजपा की उधेड़बुन कम कर सकते हैं और न ही कांग्रेस के दीप को आंधियों से बचा सकते हैं। बहरहाल केंद्र की मोदी सरकार के दस सालों के मुकाबले सुक्खू सरकार को अपने एक साल का योगदान दिखाना पड़ेगा।

भूपिंदर सिंह

खेल सामग्री खरीद में कुछ तो ईमानदारी हो

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाला खिलाड़ी बनने के लिए स्कूल व कालेज समय में खिलाड़ी को अच्छी खेल सुविधा उपलब्ध करानी चाहिए। पूरे संसार में जहां के खिलाड़ी श्रेष्ठ हैं वहां पर स्कूल व कालेज स्तर पर बहुत ही उत्तम खेल सुविधाएं मुहैया हैं। इस स्तर पर अगर हिमाचल प्रदेश में घटिया खेल सामान न खरीद कर उच्च क्वालिटी का खेल सामान खरीदा होगा तो स्तरीय खेल सुविधा होगी तो जहां जो खिलाड़ी प्रशिक्षण सुविधाओं के अभाव में खेल छोड़ देते हैं वे अपने घर में रह कर खेल जारी रख सकते हैं। खेल सुविधाओं के लिए पलायन करने वालों को भी जब अपने ही राज्य में रह कर अपना प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा करने के लिए सुविधा मिलेगी तो वह फिर क्यों अपना प्रदेश छोड़ेंगे। क्या हिमाचल प्रदेश सरकार इसे गम्भीरता से लेगी'

हिमाचल प्रदेश के विद्यालयों व महाविद्यालयों सहित सभी प्रकार के शिक्षा संस्थानों में हर वर्ष करोड़ों रुपये का खेल सामान खरीदा जाता है, मगर इस खेल सामान को उपयोग में लाती बार खिलाडियों को बहुत मायूस होना पड़ता है। क्योंकि यह खेल सामान बहुत ही नकली होता है और यह नाम का खेल सामान खिलाडियों को फायदे की जगह नुकसान पहुंचाता है। खेल सामग्री की दुकानदारी अब खेलों से जुड़े लोग भी कर रहे हैं, मगर वो भी खेलों के साथ वफा नहीं कर रहे हैं। उनके द्वारा भी इस नकली खेल सामान धंधे के माध्यम से खेल व खिलाडियों का काफी नुकसान हो रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आज खेलों का स्तर बहुत ही ऊपर उठ चुका है। उत्कृष्ट प्रदर्शन के बल पर खिलाड़ी पूरे विश्व को अचंभित कर रहे हैं। इस अद्भुत खेल प्रदर्शन के लिए उच्च स्तरीय प्रशिक्षकों व प्रतिभाशाली खिलाडियों के साथ-साथ उनके पास स्तरीय खेल किट व उच्च तकनीकी के खेल उपकरणों का होना भी बहुत ही जरूरी होता है।

चिकित्सा क्षेत्र में विभिन्न प्रकार की बीमारियों को ठीक करने के लिए आज प्रौद्योगिकी का सहारा लेकर कई प्रकार के उपकरण विकसित हो चुके हैं, ठीक उसी प्रकार खेल जगत में भी आज के अति मानवीय खेल परिणामों में विकसित प्रौद्योगिकी का सहारा लेकर बनाई गई आधुनिक खेल सामग्री का विशेष योगदान है। जैसे-जैसे सभ्यता का विकास हो रहा है, हम स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हो रहे हैं। इनसान को फिट रहने के लिए किसी न किसी खेल का सहारा लेना पड़ता है। ऐसे में जब लाखों नहीं करोड़ों खेलेंगे तो उसके लिए खेल उपकरण भी चाहिए। पूरे विश्व में खेल बहुत बड़ा उद्योग बन कर उभरे हैं। हमारे देश में आज खेल उपकरणों का उद्योग अरबों रुपये का कारोबार हर वर्ष कर रहा है। खेल किट व खेल उपकरणों के बाजार में अच्छे से अच्छा व घटिया से घटिया सामान उपलब्ध है। जब सरकारी स्तर पर खेल सामान खरीदा जाता है तो कीमत बढिया या मध्यम स्तर के सामान की होगी और सामग्री निम्न दर्जे की होगी। इस तरह मूल्य उच्च क्वालिटी का तय कर शेष राशि हड़प ली जाती है। व्यापारी व सामग्री खरीदने वाले अधिकारी मिलकर अधिकांश राशि को चट कर जाते हैं। इस कॉलम के माध्यम से पहले भी इस विषय पर लिखा जा चुका है, मगर सरकार खेलों के मामले में सोई हुई है। प्रदेश के महाविद्यालयों में जहां अधिकतर खेल सामग्री महाविद्यालय प्रशासन स्वयं खरीदता है, वहीं पर कुछ खेल सामान पहले शिक्षा निदेशालय मटीरियल्स एण्ड सप्लाई के अंतर्गत खरीद कर महाविद्यालय को दिया जाता था और अब जैम के माध्यम से खरीदा जा रहा है।

मटीरियल्स एण्ड सप्लाई के अंतर्गत खरीदा गया खेल सामान बिल्कुल घटिया किस्म का मिलता रहा है। निम्न दर्जे के हाई जम्प व कबड्डी मैट व मुक्केबाजी रिंग इसके उदाहरण आज भी देखे जा सकते हैं। इस स्कीम के अंतर्गत खरीदे जिम्प एक साल में ही कबाड़ हो चुके हैं। लाखों रुपये का खेल सामान तो खरीद लिया, मगर यह कोई नहीं सोचता है कि यह काम में भी लाया जा सकता है या नहीं। इस खेल सामान को खरीदने के लिए बनी कमेटी में निदेशालय के अधिकारी व बाबू होते हैं जिन्होंने अपनी जिंदगी में शायद ही कोई खेल खेला हो, और जो थोड़ा बहुत खेल खेले हैं और खेल सामान की परख भी रखते हैं, वे भी अपने थोड़े लाभ के लिए आंखें बंद कर लेते हैं। आज जब खेल-खेल में स्वास्थ्य स्कीम के अंतर्गत कई करोड़ रुपयों की कृत्रिम प्ले फील्ड जूडो, कुश्ती व खो-खो आदि खेलों के लिए खरीद कर विद्यालयों व महविद्यालय को दी जा रही है, जहां भी खेल सामान खरीदना हो वहां पर खरीददारी के लिए जो कमेटी बने उसमें जिस भी खेल का सामान खरीदना है, उस खेल का प्रशिक्षक व कम से कम दो राष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ी भी विभागीय अधिकारियों के साथ हों। जिस संस्थान को सामग्री मिले वहां भी कमेटी देखे कि वह घटिया स्तर का तो नहीं दे दिया। अच्छी प्रशिक्षण सुविधा के अभाव में कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी समय से पहले ही खेल को अलविदा कह जाते हैं और जिनके पास धन व साधन हैं वे अच्छे प्रशिक्षण के लिए हिमाचल प्रदेश से पलायन कर जाते हैं। हिमाचल प्रदेश में बहुत कम प्रशिक्षण केन्द्र हैं।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाला खिलाड़ी बनने के लिए स्कूल व कालेज समय में खिलाड़ी को अच्छी खेल सुविधा उपलब्ध करानी चाहिए। पूरे संसार में जहां के खिलाड़ी श्रेष्ठ हैं वहां पर स्कूल व कालेज स्तर पर बहुत ही उत्तम खेल सुविधाएं मुहैया हैं। इस स्तर पर अगर हिमाचल प्रदेश में घटिया खेल सामान न खरीद कर उच्च क्वालिटी का खेल सामान खरीदा होगा तो स्तरीय खेल सुविधा होगी तो जहां जो खिलाड़ी प्रशिक्षण सुविधाओं के अभाव में खेल छोड़ देते हैं वे अपने घर में रह कर खेल जारी रख सकते हैं। खेल सुविधाओं के लिए पलायन करने वालों को भी जब अपने ही राज्य में रह कर अपना प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा करने के लिए सुविधा मिलेगी तो वह फिर क्यों अपना प्रदेश छोड़ेंगे। क्या हिमाचल प्रदेश सरकार इसे गम्भीरता से लेगी। अब भी समय है शिक्षा निदेशालय हो या कोई भी संस्थान, अब हिमाचल प्रदेश में उचित मूल्य चुका कर घटिया किस्म का खेल सामान खरीद कर करोड़ों रुपये की बंदरबांट को बंद करके असली खेल सामान खरीद कर हिमाचल प्रदेश के खिलाडियों का भला करना होगा।

हास्य रस

रामलाल प्याज नहीं लाया है

मैं अपने ऑफिस में जाकर सीट पर बैठा ही था कि रामलाल आ गया। उसे देखते ही मेरा दिमाग खराब हो गया। उसने आकर विनम्रता से हाथ जोड़े और खड़ा रहा। मैं संयत और शांत स्वर में बोला- 'भाई रामलाल, तुम्हारी फाइल मैंने हर जगह ढूंढ ली, लेकिन मिल नहीं रही। तुम्हीं बताओ अब कैसे- क्या करें?' रामलाल बोला -' सर, फाइल थी तो आप ही की कस्टडी में, फाइल जायेगी कहां?' मैंने कहा -'मैं तुमसे सत्य कह रहा हूं भाई, फाइल गुम हो गई है। देखो किसी गलत सेक्शन में चली गई तो वापस आ जायेगी। तुम थोड़ा धैर्य रखो। तुम जानते हो, मैं एकदम साफ-सुथरा आदमी हूं। मुझे तुमसे कुछ लेना-देना है नहीं। मैं तो खुद चाहता हूं कि तुम्हारा लोन टाइमली पास हो जाये तो तुम्हारा बेकार में वक्त खराब न हो।' वह बोला-'सर पांच महीने से चक्कर लगा रहा हूं। मेरी सारी खेती-बाड़ी खराब हो गई है। लोन मिल जाये तो फसलों को पानी मिल जाये।' तभी मेरे साथ बैठा वर्मा बोला- 'भाई रामलाल, तुम्हारे खेती-बाड़ी में किसकी पैदावार होती है?' वह बोला-'सर, मेरे तो साल भर खाने का गेहूं-बाजरा पैदा होता है।' वर्मा बोला-'भाई घर के लिए प्याज तो पैदा करते ही होंगे।

एक बोरी प्याज लाकर दे दो तो फाइल ढूंढने की गारंटी मेरी है।' रामलाल बोला-'मेरे घर में कोई प्याज खाता नहीं, इसलिए हम प्याज बोते ही नहीं। यदि प्याज पैदा होता तो मैं वर्मा साहब आपको एक की एवज में दो बोरी प्याज लाकर देता।' वर्मा बोला -'भाई देख लो, कैसे भी करो प्याज लाकर दे दो तो फाइल मैं ढूंढूंगा और एक सप्ताह में लोन का चैक भी तुम्हें मिल जायेगा।' मुझे वर्मा पर बड़ा गुस्सा आया कि वह कैसी बातें कर रहा है। अपने साथ-साथ मुझे भी बदनाम कर रहा है। मैं बोला-'सुनो वर्मा, रामलाल को परेशान करने की जरूरत नहीं है। यदि फाइल तुम्हारी नजर में हो तो लाकर दो। मैं इसका काम निबटा दूं।' मेरी बात पर वर्मा कुटिलता से हंसने लगा। उल्टा वह मुझसे बोला-'शर्मा जी, आप क्यों परेशान हैं। मेरी और रामलाल की बात हो रही है। ज्यादा ही ईमानदार बनते हो तो कर दो उसका काम।' मुझे गुस्सा हा गया, मैं लपककर अपने अफसर के पास गया। सारा किस्सा सुनाया तो वह बोला-'यार शर्मा, वर्मा ठीक ही तो कह रहा है।

प्याज मंगाओ तो एक बोरी मेरी भी शामिल कर लेना।' 'सर, न तो मुझे प्याज की रिश्वत खानी और न मेरे पास फाइल, आप वर्मा से सीधे बात कर लो।' मैंने कहा तो अफसर बोला-'तुम जाओ भाई, वर्मा को मेरे पास भेजो। वर्मा काम का आदमी है। तुम्हारे बस की बात है नहीं।' मैं वापस आ गया और वर्मा से बोला कि जाओ साब बुला रहे हैं। वर्मा खुश हो गया। वह लपककर भागा और लौटकर आया तो रामलाल से बोला-'रामलाल, शर्मा जी को छोड़ो। अब तुम मुझसे बात करो। प्याज की बोरी एक नहीं दो लाओ। तुम्हारा काम तो और आसान हो गया। साहब भी प्याज में ही सलट रहे हैं।' रामलाल बोला-'लेकिन प्याज तो बहुत महंगा है। मैं कहां से लाऊंगा।' वर्मा बोला-'मैं तुम्हारी खोई हुई फाइल भी तो लाऊंगा। वैसे ही प्याज ले आओ। अब ज्यादा सिर मत खाओ। इधर प्याज लाओ और उधर अपना चैक ले जाओ।' रामलाल चला गया। उस दिन के बाद से अभी तक तो लौटकर आया नहीं है। साब वर्मा से रोज पूछते हैं कि प्याज का बोरा कब आयेगा। वर्मा रोज घिस्सा मार देता है। साब का मानना है कि जो मजा महंगा प्याज खाने में है वह सस्ता होने पर किरकिरा हो जायेगा। लेकिन रामलाल प्याज लेकर आया नहीं है और उसका काम अटका पड़ा है।

पूरन सरमा

इनसाइड

मजबूती के साथ खुला है भारतीय करेंसी, डॉलर के मुकाबले इतने पैसे की हुई बढ़त

परिवहन विशेष न्यूज

शुक्रवार के कारोबारी सत्र में डॉलर के मुकाबले रुपया 2 पैसे की मामूली बढ़त के साथ खुला है। इस बढ़त ने गिरावट के दौर को रोक दिया है। भारतीय करेंसी के साथ आज शेयर बाजार भी हरे निशान पर खुला है। इस बढ़त की वजह है कि बीते दिन गुरुवार को ग्लोबल मार्केट में डॉलर कमजोर हो गया था।

नई दिल्ली। शुक्रवार के कारोबारी सत्र में शेयर बाजार बढ़त के साथ खुला है। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर कमजोर हो गया है। इस गिरावट ने रुपये में तीन दिन की गिरावट को रोक दिया है। आज अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 2 पैसे बढ़कर 83.23 पर पहुंच गया।

इस मामूली बढ़त ने निवेशकों को सकारात्मक तौर पर प्रभावित किया है। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी और विदेशी इक्विटी निवेशकों के बिकवाली दबाव का भारतीय मुद्रा पर असर डाल रहा है।

रुपया में आई बढ़त

आज अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में, स्थानीय इकाई 83.24 पर खुली और ग्रीनबैक के मुकाबले बढ़कर 83.23 पर पहुंच गई, जो पिछले बंद से 2 पैसे अधिक है। बीते दिन गुरुवार को लगातार तीसरे दिन गिरावट के साथ रुपया डॉलर के मुकाबले 8 पैसे गिरकर 83.25 पर बंद हुआ। वहीं, हफ्ते के पहले दिन सोमवार को रुपया में 4 पैसे की गिरावट आई थी, इसके बाद बुधवार को 1 पैसे की गिरावट के साथ यह डॉलर के मुकाबले 83.17 पर बंद हुआ। 24 अक्टूबर 2023 को दशहरा के अवसर पर विदेशी मुद्रा बाजार बंद थे।

इस बीच, डॉलर सूचकांक में डॉलर 0.03 प्रतिशत कम होकर 106.57 पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक तेल मूल्य बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 1.27 प्रतिशत की तेज वृद्धि के साथ 89.05 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

शेयर बाजार हरे निशान पर

शेयर बाजार में भी गिरावट का दौर थम गया है। आज सेंसेक्स 272.63 अंक या 0.43 प्रतिशत चढ़कर 63,420.78 पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 88.20 अंक या 0.47 प्रतिशत बढ़कर 18,945.45 पर पहुंच गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने गुरुवार को 7,702.53 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची।

अमेरिका के साथ मिल कर टैंक बनाएगा भारत, टू प्लस टू वार्ता में लगी प्रस्ताव पर मुहर

परिवहन विशेष न्यूज

भारत और अमेरिका मिल कर टैंक और दूसरे युद्धक वाहनों का निर्माण करेंगे। इस बारे में प्रस्ताव अमेरिका की तरफ से ही आया था जिसे भारत ने स्वीकार कर लिया है। 10 नवंबर 2023 को दिल्ली में दोनो देशों के बीच हुई टू प्लस टू वार्ता में इस बारे में बात हुई। इसमें आपसी सहयोग से थल सेना में इस्तेमाल होने वाले युद्धक वाहनों को विकसित किया जाएगा।

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका मिल कर टैंक और दूसरे युद्धक वाहनों का निर्माण करेंगे। इस बारे में प्रस्ताव अमेरिका की तरफ से ही आया था जिसे भारत ने स्वीकार कर लिया है। 10 नवंबर, 2023 को दिल्ली में दोनो देशों के बीच हुई टू प्लस टू वार्ता में इस बारे में बात हुई और फैसला यह किया गया कि आपसी सहयोग से थल सेना में इस्तेमाल होने वाले युद्धक वाहनों (टैंक आदि) को विकसित किया जाएगा और सह-निर्माण किया जाएगा।

इसके लिए दोनो देशों ने एक संयुक्त कार्य समूह गठित करने का भी फैसला किया है। भारत-अमेरिका के रक्षा और विदेश मंत्रियों के बीच हुई इस बैठक में रक्षा सहयोग को लेकर कई मुद्दों पर बातचीत हुई है। वार्ता के बाद प्रेस कांफ्रेंस में देश के रक्षा सचिव गिरधर अरमाने ने इस बात की जानकारी दी और बाद में अमेरिका के रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने भी पत्रकारों से अलग से हुई एक बातचीत में इसकी पुष्टि की।

बैठक में शीर्ष अधिकारी शामिल रहे

टू प्लस टू वार्ता में ऑस्टिन के अलावा अमेरिका टीम में विदेश सचिव एंटनी ब्लिंकन, भारत में अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी के अलावा कुछ दूसरे अधिकारी थे। जबकि, भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व विदेश मंत्री एस जयशंकर, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश सचिव विनय क्वात्रा, रक्षा सचिव अरमाने, अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधु और कुछ दूसरे अधिकारी शामिल थे।

हम साथ मिल कर युद्धक वाहन बनाना चाहते हैं- ऑस्टिन

ऑस्टिन ने कहा कि, हम साथ मिल कर एक युद्धक वाहन बनाना चाहते हैं और यह बहुत ही महत्वपूर्ण परियोजना होगी। भारत को अत्याधुनिक एमक्यू-9बी ड्रोन देने के सवाल पर ऑस्टिन ने कहा कि इस बारे में सही समय पर घोषणा होगी। जहां तक अमेरिका की बात है तो वह भारत की रक्षा क्षमता को मजबूत बनाने में जो भी मदद की दरकार है उसे उपलब्ध करा रहा है। साथ ही अमेरिका यह भी सुनिश्चित कर रहा है कि इसमें देरी ना हो।

भारत ने सीएमएफ में शामिल होने की रजामंदी दी

बता दें कि टू प्लस टू वार्ता से पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अमेरिकी रक्षा सचिव ऑस्टिन से द्विपक्षीय वार्ता भी हुई है। इसकी एक खास बात यह रही कि भारत ने बहरीन मुख्यालय स्थित कंबाइंड मैरीटाइम फोर्सेस (सीएमएफ) में शामिल होने की रजामंदी जता दी है। अमेरिका और इसके कुछ प्रमुख नाटो देशों की अगुवाई में गठित 38 देशों का यह संगठन अरब सागर, हिंद सागर, ओमान की खाड़ी, लाल सागर और एडन की खाड़ी क्षेत्र में कानून सम्मत व्यवस्था कायम रखने का काम करता है।

भारत अब इसका पूर्णकालिक सदस्य होगा

इसके अलावा यूके, यूएसए, जर्मनी, ग्रीस, इटली, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, सउदी अरब, ओमान, बहरीन, थाइलैंड, तुर्किये, पाकिस्तान जैसे देश इसके सदस्य हैं। भारत अब इसका पूर्णकालिक सदस्य होगा। यह सदस्य देशों के बीच समुद्री क्षेत्र में गैर कानूनी गतिविधियों के रोकथाम के अलावा आपसी सहयोग का भी मंच प्रदान करता है।

उधर, रक्षा मंत्री सिंह ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान पूर्वोत्तर राज्यों में मारे गये अमेरिकी सैनिकों के कुछ सामान अमेरिकी रक्षा सचिव को भेंट किया। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान कई अमेरिकी सैनिक जापान के साथ युद्ध करते हुए असम के आस पास मारे गये थे। उनकी वर्दियां और दूसरे सामान बाद में मिले थे, जिसे अभी तक सुरक्षित करके रखा गया है। भारत ने अब विशेष संवेदना दिखाते हुए इन्हें अमेरिका को लौटा रहा है।

एलआईसी का लाभ 50 प्रतिशत घटकर 7,925 करोड़ हुआ, बीती तिमाही में मिला था फायदा

सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी एलआईसी के लाभ में जुलाई-सितंबर 2023 के दौरान 50 प्रतिशत की गिरावट हुई है। कंपनी ने शुक्रवार को बताया कि कम आय के चलते बीती तिमाही में शुद्ध लाभ 7925 करोड़ रुपये रहा है। देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी को पिछले वर्ष समान तिमाही में 15952 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था।

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी एलआईसी के लाभ में जुलाई-सितंबर 2023 के दौरान 50 प्रतिशत की गिरावट हुई है। कंपनी ने शुक्रवार को बताया कि कम आय के चलते बीती तिमाही में शुद्ध लाभ 7,925 करोड़ रुपये रहा है। देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी को पिछले वर्ष समान तिमाही में 15,952 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था।

एलआईसी ने शेयर बाजार को बताया कि 30 सितंबर को समाप्त तिमाही में प्रीमियम से शुद्ध आय 1,07,397 करोड़ रुपये रही है, जो पिछले वर्ष समान तिमाही में 1,32,631.72 करोड़ रुपये रही थी। हालांकि, बीती तिमाही में पहली बार मिलने वाला प्रीमियम बढ़कर 9,988 करोड़ रुपये रहा है जो पिछले वर्ष समान अवधि में 9,125 करोड़ रुपये था।

एलआईसी की कुल आय घटकर 2,01,587 करोड़ रुपये रही

सितंबर तिमाही में एलआईसी की कुल आय घटकर 2,01,587 करोड़ रुपये रही है, जो एक वर्ष पहले समान अवधि में 2,22,215 करोड़ रुपये था। इस अवधि में निवेश से शुद्ध आय 93,942 करोड़ रुपये रही है, जुलाई-सितंबर 2022 में 84,104 करोड़ रुपये थी।

ने दूसरी तिमाही में 705 करोड़ रुपये, कंपनी से मुनाफे में हुआ 44 फीसदी इजाफा

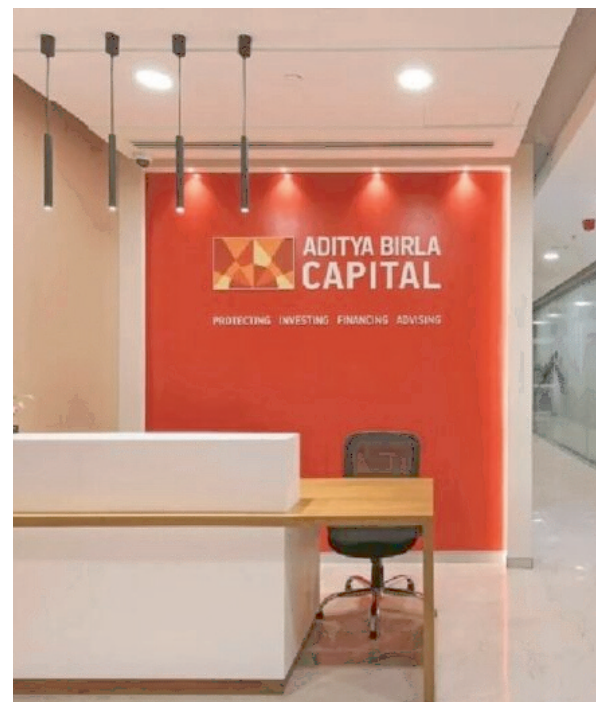

Aditya Birla Capital ने दूसरी तिमाही में 705 करोड़ रुपये का मुनाफा है जो पहले से 44 प्रतिशत बढ़ गया है। आपको बता दें कि एक साल पहले इसी अवधि में इसने 488 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। कंपनी गैर-बैंकिंग वित्त (एनबीएफसी) व्यवसाय आवास वित्त परिसंपत्ति प्रबंधन जीवन और सामान्य बीमा सहित अन्य क्षेत्रों में मौजूद है।

नई दिल्ली। Aditya Birla Capital का दूसरी तिमाही का मुनाफा 44 प्रतिशत बढ़कर 705 करोड़ रुपये हो गया है। कंपनी ने शुक्रवार को बताया है कि उसने सितंबर 2023 को समाप्त तिमाही के लिए समेकित आधार पर लाभ में 44 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 705 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की है। आइए, पूरी खबर के बारे में जान लेते हैं।

Aditya Birla Capital को हुआ इतना मुनाफा

Aditya Birla Capital ने दूसरी तिमाही में 705 करोड़ रुपये का मुनाफा है, जो पहले से 44 प्रतिशत बढ़ गया है। आपको बता दें कि एक साल पहले इसी अवधि में इसने 488 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। आदित्य बिरला कैपिटल लिमिटेड (एबीसीएल) ने एक विज्ञप्ति में कहा कि 2023-24 की जुलाई-सितंबर अवधि में कंपनी का कुल समेकित राजस्व 22 प्रतिशत बढ़कर 8,831 करोड़ रुपये हो गया, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 7,210 करोड़ रुपये था।

क्या करती है कंपनी ?

कंपनी गैर-बैंकिंग वित्त (एनबीएफसी) व्यवसाय, आवास वित्त, परिसंपत्ति प्रबंधन, जीवन और सामान्य बीमा सहित अन्य क्षेत्रों में मौजूद है। एबीसीएल आदित्य बिड़ला समूह के वित्तीय सेवा व्यवसायों की होल्डिंग कंपनी है।

इसमें कहा गया है कि व्यवसायों में मजबूत गति के कारण 30 सितंबर, 2023 तक कुल ऋण पोर्टफोलियो (एनबीएफसी और एचएफसी) में साल-दर-साल 41 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 1,08,961 करोड़ रुपये हो गया।

Gold ETF में बढ़ी निवेशकों की दिलचस्पी; अक्टूबर में 841 करोड़ रुपये का हुआ निवेश

गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में निवेशकों ने दिलचस्पी दिखाई है और केवल अक्टूबर महीने में 841 करोड़ रुपये का निवेश किया। बता दें कि यह आंकडा पिछले महीने की तुलना में 175 प्रतिशत ज्यादा है। बता दें कि सितंबर में यह 175 .3 करोड़ रुपये था। वही अगस्त में इस श्रेणी में 1028 करोड़ रुपये दर्ज किए गए। आइये इसके बारे में जानते हैं।

नई दिल्ली। निवेशकों ने अनिश्चित समय में सुरक्षित निवेश माने जाने वाले गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) की ओर रुख किया और अक्टूबर में 841 करोड़ रुपये का निवेश किया, जो पिछले महीने के 175 करोड़ रुपये से कहीं अधिक है।

एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों के अनुसार, प्रवाह के अलावा, इस अवधि में गोल्ड ईटीएफ का ऐसेट बेस भी बढ़ गया।

कम हुई सोने की कीमत

इस बीच सोने की कीमतों में नरमी के साथ उपभोक्ता मांग में सुधार के कारण दुनिया के सबसे बड़े सोने के उपभोक्ता देश भारत में दिवाली धनतेरस से पहले सोने और चांदी की खरीदारी शुक्रवार को बढ़ी है।

मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट एडवाइजर इंडिया के विश्लेषक और शोध प्रबंधक मेल्विन सैंटारिटा ने कहा कि मौजूदा भू-राजनीतिक तनाव, अमेरिका में ब्याज दरों में निरंतर बढ़ोतरी की आशंका, मुद्रास्फीति अभी भी अपेक्षा से अधिक है। इसके अलावा विकास दर धीमी होने के कारण सुरक्षित आश्रय और मुद्रास्फीति के खिलाफ बचाव के रूप में सोने की अपील जारी रहने की उम्मीद है।

उन्होंने यह भी कहा कि हाल के दिनों में सोने की कीमतें अब तक के उच्चतम स्तर से नीचे आ गई हैं, जिससे खरीदारी के कुछ अवसर मिले हैं। खासकर इस साल मार्च के बाद से तेज उछाल के बाद यह बदलाव देखा गया है।

अक्टूबर में इतना हुआ निवेश

आंकड़ों के मुताबिक, गोल्ड-लिंक्ड ईटीएफ में पिछले महीने 841 करोड़ रुपये का निवेश हुआ, जबकि सितंबर में यह 175.3 करोड़ रुपये था। वही अगस्त में इस श्रेणी में 1,028 करोड़ रुपये दर्ज किए गए, जो 16 महीनों में सबसे अधिक मासिक प्रवाह था, और जुलाई में 456 करोड़ रुपये था।

इससे पहले, लगातार तीन तिमाहियों की निकासी के बाद अप्रैल-जून की अवधि के दौरान गोल्ड ईटीएफ में 298 करोड़ रुपये का प्रवाह देखा गया था। मार्च तिमाही में इस

श्रेणी से 1,243 करोड़ रुपये, दिसंबर तिमाही में 320 करोड़ रुपये और सितंबर तिमाही में 165 करोड़ रुपये की निकासी हुई।

पिछले कुछ वर्षों में अपने शानदार प्रदर्शन से सोने ने निवेशकों की काफी दिलचस्पी को आकर्षित किया है और इसकी फोलियो संख्या में लगातार बढ़ोतरी इसका प्रमाण है।

गोल्ड ईटीएफ में निवेशक खाते अक्टूबर में लगभग 27,700 फोलियो बढ़कर 48.34 लाख हो गए, जो पिछले महीने में 48.06 लाख थे।

गोल्ड फंड की तरफ निवेशकों का झुकाव

इससे पता चलता है कि निवेशकों का झुकाव सोने से जुड़े फंडों की ओर बढ़ा है। इसके अतिरिक्त, समीक्षाधीन महीने में गोल्ड ईटीएफ की प्रबंधनाधीन संपत्ति 10 प्रतिशत बढ़कर 26,163 करोड़ रुपये हो गई, जो सितंबर में 23,800 करोड़ रुपये थी।

गोल्ड ईटीएफ, जो घरेलू भौतिक सोने की कीमत को ट्रैक करते हैं, निष्क्रिय निवेश उपकरण हैं जो सोने की कीमतों पर आधारित होते हैं और सोने की बुलियन में निवेश करते हैं।

संक्षेप में, गोल्ड ईटीएफ भौतिक सोने का प्रतिनिधित्व करने वाली इकाइयां हैं, जो कागज या डीमैटरियलाइज्ड रूप में हो सकती हैं।

एक गोल्ड ईटीएफ इकाई 1 ग्राम सोने के बराबर होती है और यह बहुत उच्च शुद्धता वाले भौतिक सोने द्वारा समर्थित होती है। वे स्टॉक निवेश के लचीलेपन और सोने के निवेश की सादगी को जोड़ते हैं।

घर बैठे ही मिल जाएगा PM Kisan Yojana के पैसे, मोबाइल से ही कर पाएंगे आप रजिस्ट्रेशन

पीएम किसान योजना केंद्र सरकार द्वारा चलाई जारी रही पीएम किसान योजना में कई किसान अभी तक पंजीकृत नहीं हुए हैं। इस योजना में पंजीकरण करने के लिए आपको किसी केंद्र में जाने की जरूरत नहीं है। आप अपने मोबाइल फोन से आसानी से पंजीकरण कर सकते हैं। आइए जानते हैं कि मोबाइल फोन से पंजीकरण करने का प्रोसेस क्या है?

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने किसानों को आर्थिक सहायता देने के लिए पीएम किसान सम्मान निधि योजना शुरू की थी। इस योजना में आर्थिक तौर से कमजोर वर्ग वाले किसान को आर्थिक लाभ मिलता है। देश में कई किसान इस योजना से जुड़ गए हैं। वहीं, कई किसान अभी तक इस योजना से नहीं जुड़े हैं। उन्हें भी इस योजना से जुड़ने के लिए सरकार निरंतर पंजीकरण के प्रोसेस को आसान करते हैं। ऐसे में ज्यादा से किसान इस योजना से जुड़ सकते हैं। अगर आप भी इस योजना के पात्रता के योग्य है और अभी तक इस योजना से नहं जुड़े हैं तो आप अपने फोन से आसानी से पंजीकरण कर सकते हैं। आइए, जानते हैं कि आप मोबाइल से रजिस्ट्रेशन कैसे कर सकते हैं।

फोन से कैसे करें रजिस्ट्रेशन

आपको गूगल स्टोर (Google Store) से पीएमकिसान ऐप (PMKISAN App) को डाउनलोड करना है। इसके अलावा आप पीएम किसान की अधिकारिक पोर्टल से भी PMKISAN ऐप को इंस्टॉल कर सकते हैं।

ऐप पर आपको अपने लिए भाषा का चयन करना है।

इसके बाद 'नया किसान पंजीकरण' को सिलेक्ट करें।

अब आप अपना आधार कार्ड नंबर, कैप्चा दर्ज करें और आगे बढ़े पर क्लिक करें। इसके बाद आप बैंक डिटेल्स, आईएफएससी कोड, जमीन के दस्तावेज जैसे बाकी जानकारी भरें। सभी जानकारी भरने के बाद आपको सबमिट पर क्लिक करना है। इस तरह रजिस्ट्रेशन का प्रोसेस पूरा हो जाएगा।

पीएम किसान योजना क्या है

पीएम किसान योजन एक आर्थिक योजना है। इस योजना में किसान को सालाना 6,000 रुपये की राशि दी जाती है। यह राशि किस्तों के तौर पर दी जाती है। हर किस्त में 2,000 रुपये किसान के बैंक में डायरेक्ट जमा हो जाती है। यह स्कीम 1 दिसंबर 2018 को शुरू हुई थी। यह योजना किसानों के लिए काफी लोकप्रिय है।

पीएम किसान योजना का लाभ केवल परिवार में एक सदस्य क मिलता है। इस योजना के लाभ पाने के लिए ई-केवाईसी और जमीन का सत्यापन करवाना जरूरी है। अगर यह नहीं होता है तो योजना की किस्त रुक भी सकती है। सरकार ने इस योजना की 14 किस्त जारी कर दी है और जल्द ही किसानों के अकाउंट में 15वीं किस्त आ सकती है।

केरल में राष्ट्रीय राजमार्ग के लिए मिट्टी खनन का विरोध, तनाव बढ़ने के बाद बुलाई गई पुलिस

केरल के तटवर्ती जिले अलपुझा के नूरानंद में शुक्रवार को राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण के लिए मिट्टी खनन का लोगों ने विरोध किया। महिलाओं समेत स्थानीय लोगों ने मटपल्ली में समीप की पहाड़ी को समतल करने का आरोप लगाते हुए मिट्टी ढो रहे ट्रकों को रोक दिया। तनाव बढ़ने के बाद पुलिस बुला ली गई। कायामकुलम-पुनालुर रोड पर बड़ी संख्या में लेटे प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने बलपूर्वक हटाया।

अलपुझा। केरल के तटवर्ती जिले अलपुझा के नूरानंद में शुक्रवार को राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण के लिए मिट्टी खनन का लोगों ने विरोध किया। महिलाओं समेत स्थानीय लोगों ने मटपल्ली में समीप की पहाड़ी को समतल करने का आरोप लगाते हुए मिट्टी ढो रहे ट्रकों को रोक दिया। इसके बाद खनन में जुटे लोगों के साथ संघर्ष शुरू हो गया।

तनाव बढ़ने के बाद बुलाई गई पुलिस

तनाव बढ़ने के बाद पुलिस बुला ली गई। इसके बाद भी स्थानीय निवासी पीछे नहीं हटे और वाहनों को छोड़ने की पुलिस की मांग अनसुनी कर दी। कायामकुलम-पुनालुर रोड पर बड़ी संख्या में लेट गए प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने बलपूर्वक हटाया।

गांव के लोगों ने क्या कहा ?

एक स्थानीय निवासी ने कहा कि वे लोग गांव से और मिट्टी नहीं लेने देंगे। दूसरे व्यक्ति ने कहा कि इस मुद्दे पर सभी लोग एकजुट हैं।

राज्य विधानसभा में मावेलिकारा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले सत्ताधारी माकपा के विधायक एमएस अरुण कुमार भी स्थानीय प्रदर्शनकारियों के साथ थे। सड़क पर बैठकर विरोध कर रहे विधायक को हाथापाई में मामूली चोटें आईं। विधायक ने प्रदर्शनकारियों के विरुद्ध पुलिस कार्रवाई की आलोचना की और घटना में मिट्टी माफिया के शामिल होने का आरोप लगाया।

NCW ने नीतीश कुमार के बयान को सदन की कार्यवाही से हटाने की मांग की, कहा- वे किसी सी ग्रेड फिल्म के अभिनेता की तरह...

राष्ट्रीय महिला आयोग ने बिहार विधानसभा में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के द्वारा दिए अभद्र बयान को सदन की कार्यवाही से हटाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि बिहार के सीएम का अभद्र बयान किसी सी ग्रेड फिल्म के अभिनेता का दिया लगता है। नीतीश कुमार एक सी ग्रेड फिल्म के अभिनेता की तरह बोल रहे थे। उनकी टिप्पणी बहुत अपमानजक थी।

नई दिल्ली। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को महिलाओं को लेकर अभद्र बयानबाजी के लिए फटकार लगाते हुए कहा कि हाल ही में विधान परिषद में उनका आबादी नियंत्रण पर अभद्र बयान किसी सी ग्रेड फिल्म के फिल्म स्टार का दिया हुआ लगता है। साथ ही उन्होंने नीतीश कुमार की अभद्र टिप्पणी को सदन की कार्यवाही से निकाले जाने की मांग की है।

'नीतीश कुमार एक सी ग्रेड फिल्म के अभिनेता की तरह बोल रहे थे'

बिहार के सीएम के बयान पर बिफरते हुए महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने कहा कि विधान परिषद में नीतीश कुमार एक सी ग्रेड फिल्म के अभिनेता की तरह बोल रहे थे। उनकी टिप्पणी बहुत ही आपत्तिजनक थी और उनके शब्दों का चयन बहुत ही दुखद था। उनका आचरण किसी मुख्यमंत्री जैसा नहीं था। बल्कि वह एक सीएम के बजाय एक सी ग्रेड फिल्म के कलाकार की तरह बोल रहे थे।

'महिला सदस्यों ने सदन का बहिष्कार क्यों नहीं किया'

रेखा शर्मा ने कहा कि इससे भी खराब बात यह थी कि उनके इस बेहद अभद्र कथन पर उनके पीछे बैठे पुरुष सदस्य ठहाके लगा रहे थे। उनके भाषण के दौरान उनके हाथों के इशारे और भाव-भंगिमा भी इस कथन को और फूहड़ बना रही थी। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष ने सदन में मौजूद महिला सदस्यों पर सवाल उठाते हुए कहा कि वह ऐसी अश्लील टिप्पणी के विरोध में सदन का बहिष्कार कर बाहर क्यों नहीं आईं।

नीतीश की माफी के बावजूद तूल पकड़ता जा रहा मामला

उल्लेखनीय है कि भाजपा ने भी इस संबंध में नीतीश कुमार का जमकर विरोध करते हुए उनसे बिना शर्त माफी मांगने को कहा है। विपक्ष के हंगामे के बाद नीतीश कुमार ने माफी मांगी भी है, लेकिन यह मामला तूल पकड़ता जा रहा है। विधानसभा के बाद विधान परिषद में भी जातीय जनगणना पर अपना भाषण देते हुए मर्यादा की सीमाएं लांघ लीं और कहा कि लड़कियों को शिक्षित किया जाना चाहिए कि शादी के बाद यौन संबंध अनियोजित गर्भधारण न बन जाए।

रणनीतिक रिश्तों को गहरा विस्तार देंगे भारत व अमेरिका, टू प्लस टू वार्ता में चीन के अतिक्रमण पर भी हुई चर्चा

परिवहन विशेष न्यूज

भारत और अमेरिका के बीच कूटनीतिक व रणनीतिक संबंधों पर फैसला लेने के लिए गठित टू प्लस टू वार्ता व्यवस्था के तहत पांचवी बैठक में जिन मुद्दों पर चर्चा हुई है उससे साफ है कि रक्षा क्षेत्र में सहयोग व सह-उत्पादन की प्रक्रिया और तेज की जाएगी। दोनों देशों ने चीन की बढ़ती गतिविधियों का गंभीरता से संज्ञान लेते हुए अपने रणनीतिक संबंधों को मजबूत बनाने का फैसला किया है।

नई दिल्ली। चीन की बढ़ती गतिविधियों का गंभीरता से संज्ञान लेते हुए भारत और अमेरिका ने अपने रणनीतिक संबंधों को और ज्यादा मजबूत बनाने का फैसला किया है। दोनो देशों के बीच कूटनीतिक व रणनीतिक संबंधों पर फैसला लेने के लिए गठित 'टू प्लस टू' वार्ता व्यवस्था के तहत पांचवी बैठक में जिन मुद्दों पर चर्चा हुई है उससे साफ है कि रक्षा क्षेत्र में सहयोग व सह-उत्पादन की प्रक्रिया और तेज की जाएगी, हिंद प्रशांत क्षेत्र में क्वाड संगठन को और गतिशील बनाया जाएगा।

नई दिल्ली में हुई दोनों देशों के बीच वार्ता

नई दिल्ली में हुई इस वार्ता की अध्यक्षता अमेरिका के विदेश सचिव एंटोनी ब्लिंकेन और रक्षा सचिव लॉयड आस्टिन व भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने की। यह टू प्लस टू की पांचवी बैठक थी। इसमें पश्चिम एशिया, यूक्रेन-रूस, कनाडा-भारत कूटनीतिक विवाद जैसे समसामयिक मुद्दों पर भी विस्तार से चर्चा हुई।

इसके अलावा किस तरह से एक दूसरे के नागरिकों को आने जाने में सहूलियत दी जाए, आतंकवाद के खिलाफ सहयोग को कैसे प्रगाढ़ किया जाए और सप्लाई चेन का एक मजबूत वैश्विक विकल्प किस तरह से तैयार की जाए, ये मुद्दे भी चर्चा के केंद्र में रहे।

दोनों देशों के बीच सामंजस्य बिठाने पर जोर

बैठक के बाद जारी संयुक्त बयान से साफ है कि दोनो देश अपने अपने हितों के बीच सामंजस्य बिठाने को प्राथमिकता दे रहे हैं। इसमें भारत के दो विरोधी देशों चीन और पाकिस्तान की तरफ सै पैदा होने वाली समस्याओं का भी परोक्ष तौर पर जिक्र है और अमेरिका ने दोनो मामले में भारत के हितों के पक्ष में आवाज उठाई है।

आतंकियों के खिलाफ ठोस कार्रवाई की मांग

संयुक्त बयान में मुंबई हमले, पठानकोट हमले का फिर से जिक्र किया है और कहा है कि इनकी साजिश रचने वाले संगठनों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित होनी चाहिए। अल-कायदा, आइएसआइएस के अलावा पाकिस्तान में रहने वाले जैश-ए-मोहम्मद व लश्करे-तैयबा जैसे आतंकी संगठनों व इनके आतंकियों के खिलाफ ठोस कार्रवाई की भी मांग की गई है। वैसे पूर्व की टू प्लस टू वार्ता में भी यह मुद्दा इसी तरह से उठता रहा है।

मंत्रियों के बीच हुई कई मुद्दों पर चर्चा

दोनो देशों ने कहा है कि भारत और अमेरिका कानून सम्मत अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था का समर्थन करते हैं, जिसमें यूएन चार्टर का पालन हो, दूसरे देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का आदर हो। भारत पूर्वी लद्दाख में चीनी सैनिकों के घुसपैठ को अपनी संप्रभुता का उल्लंघन करार देता रहा है। मंत्रियों के बीच हिंद प्रशांत, मध्य पूर्व और यूक्रेन जैसे दूसरे क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा हुई है।

इजरायल पर हुए आतंकी हमले को लेकर दोनों देश उसके साथ

यूक्रेन में जारी युद्ध और इसका मानवता पर होने वाले असर को लेकर मंत्रियों ने गहरी चिंता जताई है। इस युद्ध का वैश्विक अर्थव्यवस्था और खाद्य सुरक्षा पर होने वाले असर व विकासशील देशों को होने वाली समस्या को रेखांकित किया गया है। भारत और अमेरिका इजरायल पर हुए आतंकी हमले को लेकर उसके साथ हैं। दोनो देशों ने अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानूनों का पालन व निर्दोष नागरिकों के अधिकारों की सुरक्षा देने की बात कही है।

विवाद को रोकने का हो प्रयास

गाजा के नागरिकों को मानवीय आधार पर मदद पहुंचाने को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर सामंजस्य बनाने को लेकर प्रतिबद्धता जताते भारत व अमेरिका के मंत्रियों ने युद्ध को समाप्त कर मध्य पूर्व को स्थिरता लाने का आह्वान किया है। साथ ही यह भी कहा है कि सभी पक्षों को मौजूदा विवाद को विस्तार देने से हर हाल में रोकना चाहिए। भारत और अमेरिका ने बंधक बनाये इजरायल के नागरिकों को तुरंत रिहा करने की अपील भी की है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने क्या कहा ?

बैठक के बाद जयशंकर ने सोशल मीजिया साइट एक्स पर लिखा है कि हमारा एजेंडा रणनीतिक रिश्ते को और गहरा करना, रक्षा संबंधों को मजबूत बनाते हुए विज्ञान, तकनीक, अंतरिक्ष में सहयोग का विस्तार करने का है। जयशंकर ने बताया कि टू प्लस टू वार्ता में दक्षिण एशिया के हालात के अलावा कनेक्टिविटी परियोजनाओं में सहयोग करने को लेकर भी सार्थक चर्चा हुई है।

टू प्लस टू वार्ता में कई चिजों पर हुई सार्थक चर्चा

मालूम हो कि हाल ही में भारत से पश्चिम एशिया होते हुए यूरोप तक ढांचागत सुविधाएं लगाने को लेकर भारत, अमेरिका, सउदी अरब व कई यूरोपीय देशों में सहमति बनी है। कनाडा-भारत के बीच जारी कूटनीतिक विवाद पर भी चर्चा हुई है।

वर्ल्ड सिख चैंबर ऑफ कॉमर्स अमृतसर के नेताओं ने मॉरीशस के राजदूत के सानिध्य में सेंट्रल अनाथालय के बच्चों के साथ दिवाली मनाई: राजिंदर सिंह मरवाहा

परिवहन विशेष न्यूज

अमृतसर। (साहिल बेरी) दिवाली देश के सभी समुदायों द्वारा बड़े उत्साह के साथ मनाई जाती है। बंदीछोड़ दिवस आज दोपहर को विशेष रूप से सिख संगत द्वारा धार्मिक भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया, वर्ल्ड सिख चैंबर ऑफ कॉमर्स अमृतसर के अध्यक्ष श्री। राजिंदर सिंह मरवाहा के मार्गदर्शन में नेताओं ने केंद्रीय अनाथालय, पुतलीघर अमृतसर के मासूम और प्यारे बच्चों के साथ सरोन तेल के दीपक जलाकर जश्न मनाया। उल्लेखनीय है कि इस पवित्र दिन पर मीरी पीरी के मालिक छठे गुरुदेव श्री गुरु हरगोबिंद साहिब जी ने मुगल शासक जहांगीर की जेल से बावन राजाओं को रिहा करने के बाद अमृतसर में श्री हरमंदिर साहिब के दर्शन किए थे। गुरुदेव पातशाह जी के आगमन की खुशी में ब्रह्मज्ञानी बाबा बुड्ढा जी व अनेक श्रद्धालुओं ने देशी घी के दीपक जलाकर गुरु नगरी को जगमग कर दिया। हरपाल सिंह वालिया अध्यक्ष माझा जॉन, रूपिंदर सिंह कटारिया, चरणजीत सिंह पूजी अध्यक्ष स्वर्णकार संघ, आर्किटेक्ट जुगबीर सिंह अहलूवालिया, अमरजीत सिंह नारंग अध्यक्ष, हरदयाल सिंह बाजवा अध्यक्ष सब्जी मंडी, पूर्व सिविल सर्जन डॉ. चरणजीत सिंह, अध्यक्ष श्री गुरु हरिराय साहिब जी गुरुद्वारा प्रबंधक समिति जगदीश सिंह और अमृतसर विकास मंच के संरक्षक प्रधान कुलवंत सिंह अणखी, मानवाधिकार संगठन सुश्री जसविंदर कौर, सुखविंदर सिंह कोहली, लखविंदर सिंह गिल, जगजीत सिंह सुच्चू, सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता, रणजीत सिंह, जितिंदर पाल सिंह चौहान, जितिंदर पाल सिंह बॉबी बादशाह, डॉ. आत्मजीत सिंह बसरा और मोहनजीत सिंह भल्ला, दविंदर सिंह लवली ढाबा ने भाग लिया और योगदान दिया।

अनेकों प्रकार के विश्व रिकॉर्ड बना चुके हैं डॉ. हृदयेश कुमार

ट्रस्ट के संस्थापक डॉ हृदयेश कुमार को 204 से अधिक अंतराष्टीय वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड

परिवहन विशेष न्यूज

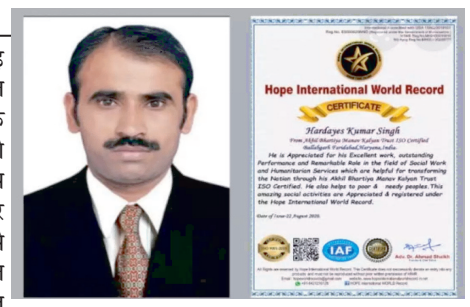

फरीदाबाद। बल्लबगढ़ फ़रीदाबाद हरियाणा से अखिल भारतीय मानव कल्याण ट्रस्ट के संस्थापक डॉ हृदयेश कुमार को 204 से अधिक अंतराष्टीय वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड और सोशल वर्क अवॉर्ड व 1280 से अधिक राष्ट्रीय अवार्ड मिल चुके हैं इनका नाम समाज कल्याण में समर्पित है समाज सेवा से ले कर स्वास्थ्य और शिक्षा और सहायता और जल संसाधन और प्रदूषण नियंत्रण के लिए विभिन्न स्थानों पर पानी बचाने के लिए और प्रदूषण नियंत्रण करने के लिए पेड़ पौधे लगाने के लिए और महिलाओं को सेल्फ डिफेंस की अनेक प्रकार से सेवा में भारत में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी जाना जाता है ।

डॉ हृदयेश कुमार ने बताया कि अखिल भारतीय मानव कल्याण ट्रस्ट के साथ पूरे भारत में अनेक बड़े बड़े अस्पताल जुड़े हुए हैं जो कि ट्रस्ट द्वारा किसी भी गरीब परिवार को ईलाज में 50,% तक छूट दी जाएगी अल्ट्रासाउंड कराने में भी ब्लड टैस्ट व अनेक प्रकार से लोगों की सेवा में समर्पित रहते हैं हमारा कोई भी व्यक्ति निः शुल्क अपना आई डी कार्ड बना सकता है इसके लिए आप को गूगल पर Akhil Bhartiya Manav Kalyan Trust id Card सर्च करना है और इस ऐप को डाउनलोड सेल्फ आईडी कार्ड बना सकते हो फिर आप बहुत सी सेवाऐं प्राप्त कर सकते हो गूगल पर सभी प्रकार की जानकारी साझा किया है 12 A , 80G NITI Aayog, CSR and DSC और MSME and 5 प्रकार के ISO certified and Food लाइसेंस आदि मौजूद हैं 580 इनके अलावा इस काम में उनके 539 सहयोगी मित्र साथ देते हैं !!

हम इनके उज्वल भविष्य कि कामना करते हैं !!

भाजपा एक मत होकर चुनाव लड़ रही है प्रदेश चुनाव प्रभारी जोशी

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव लोकसभा चुनाव से पूर्व सेमीफाइनल : गजेंद्र सिंह

परिवहन विशेष -अनूप कुमार शर्मा

भीलवाड़ा। भाजपा के केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री एवं भाजपा प्रदेश चुनाव प्रभारी प्रहलाद जोशी ने कहा कि भाजपा एक मत होकर चुनाव लड़ रही है जो पार्टी के विचारधारा के हैं इस विचारधारा पर चलकर मोदी जी के हाथ को मजबूत करना है भाजपा के चुनाव चिन्ह कमल के खिलाफ जो खड़ा है वह हमारा विरोधी है एवं कमल ही हमारे पार्टी का प्रत्याशी है उन्होंन आव्हान करते हुए बताया कि सभी संगठनों की अलग-अलग व्यवस्था है जिसमें भाजपा ने जो तय किया है जिन प्रत्याशियों को उतारा है उसे भारी बहुमत से जीतना है यह बात भाजपा जिला कार्यालय में भीलवाड़ा अल्पकालीन प्रवास के दौरान कहीं केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह ने कार्यकर्ताओं से कहा कि विगत 5 वर्ष से कांग्रेस सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए जो मेहनत कार्यकर्ताओं ने की है उसकी परीक्षा की घड़ी आ गई है उन्होंने कहा कि भारत की बढ़ती हुई ताकत को रोकने के लिए पूरे विश्व की ताकते भारत की समृद्धि ,एकता को देखते हुए एक साथ एकत्रित हुई है नरेंद्र मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाना है जिसका सेमी फाइनल पांच राज्यों के चुनाव को महत्वपूर्ण बताया, कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए उन्हें बुथ स्तर तक पूरी ताकत से लगने की कहा

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी महावीर समदानी ने बताया कि इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री दामोदर अग्रवाल, संभाग सह प्रभारी अतर सिंह भडाना,भाजपा जिला अध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा, भीलवाड़ा सांसद सुभाष बहेड़िया ,भीलवाड़ा विधानसभा भाजपा प्रत्याशी विट्ठल शंकर अवस्थी, सभापति राकेश पाठक मंचासीन थे इससे पूर्व प्रदेश चुनाव प्रभारी जोशी एवं केंद्रीय मंत्री सिंह हेलीकॉप्टर से मोदी ग्राउंड में उतरकर सीधे भाजपा जिला कार्यालय पहुंचे

केंद्रीय मंत्री एवं प्रदेश चुनाव प्रभारी के भाजपा जिला कार्यालय आने पर भाजपा संगठन की ओर से उनका जोरदार स्वागत अभिनंदन किया। इस अवसर पर भाजपा की विशेष महत्वपूर्ण चुनावी मीटिंग में शहर एवं जिला पदाधिकारी मोर्चा एवं मंडल अध्यक्ष महामंत्री ,पूर्व सभापति, पूर्व नगर एवं मंडल अध्यक्ष ,पार्षद एवं पार्षद प्रत्याशी सहित वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित थे। कार्यकर्ताओं के साथ अलग से बैठक कर महत्वपूर्ण मंत्रणा की।

प्रदेश चुनाव प्रभारी जोशी एवं केंद्रीय मंत्री सिह ने बंद कमरे में भीलवाड़ा जिले की सातों विधानसभाओं की कार्यकर्ताओं से अभी तक चुनावी फीडबैक लेकर आगामी व्युरचना पर महत्वपूर्ण विचार विमर्श किया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। Title Code : DELHIN28985. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023